टूटे हुए हौद

हम प्रार्थना करें, प्रभु अब हम विश्वास करते हैं। हम परमेश्वर के पुत्र पर विश्वास करते हैं, और इसमें होकर हम अनंत जीवन उसके अंदर होकर स्वीकार करते हैं। अब हम फिर से इस दोपहर बाद जमा हुए हैं, या इस संध्या में, दूसरी आराधना के लिए, संदेश के लिए आप पर विश्वास कर रहे हैं, और जो भी आप आज रात्रि हमें बतायेंगे। प्रभु, हम तुझ पर विश्वास करते हैं और हम तुझ पर निर्भर करते हैं। और आपने कहा, "वे जो प्रभु की बाट जोहते अपने बल को फिर से प्राप्त करेंगे, उनके उकाब जैसे पंख होंगे।" और हम प्रार्थना करते हैं परमेश्वर कि आप हमे सामर्थ से भर देंगे, आज रात, जैसे कि हम तेरी बाट जोहते हैं।

2 हम इन लोगों के लिए तेरा धन्यवाद करते हैं और जो अभिप्राय इनका तुझसे है और जो अभिप्राय इन का मुझ से है। पिता, इसके लिए मैं तेरा धन्यवाद करता हूं। यह आपके रत्न है। और परमेश्वर, आज रात्रि मैं आप से प्रार्थना करता हूं कि आप अपने को इन पर इस प्रकार प्रगट करें जिसकी इनको आवश्यकता है। यदि यहां कोई रोगी हो तो वह चंगा हो जाए यदि किसी के मस्तिष्क में कोई शंका हो तो प्रभु उसका उत्तर दें। और केवल परमेश्वर हमें अपनी उपस्थिति, और तेरी आशीषे मिले, क्योंकि हमें उनकी आवश्यकता है, प्रभु हमारी भरपुरी है। और, आपके बिना हम कुछ नहीं कर सकते।

3 हम प्रार्थना करते हैं कि जो कुछ आपने किया है उसका धन्यवाद आप ग्रहण करेंगे यीशु मसीह के नाम में हम आपकी आशीषो के लिए ताकते है। आमीन।

आप बैठ सकते हैं।

4 और, ठीक है, इस रविवार कि रात्रि थोड़ा ज्यादा ठंडा था, यहां पर, जैसा पिछले रविवार को था हम अपने भाइयों के बहुत आभारी है जिन्होंने बहुत ही ईमानदारी से कार्य किया है कि इसे अंदर ले ले। मैं उनमें से दो या तीन को जानता हूं। जैसे कि मैं पीछे देखता हूं, भाई माईक ईगन, और मैं... भाई माईक और भाई सोथमन भाई (मैं विश्वास करता हूं) रोए रॉबर्सन और भाई वुज्स और वे सब वे यहां पर परिश्रम कर रहे थे, इसको अंदर लाने

का यत्न कर रहे थे, ताकि हमें यह संदेश मिल सके, या आज। इसलिए, हम आभारी हैं।

5 अब, अगली रविवार कि प्रात: प्रभु ने चाहा तो मैं चाहता हूं, बीमारों के लिए चंगाई सभा रोगियों के लिए प्रार्थना करूं। और हम इसे चंगाई सभा कहेंगे, यदि प्रभु ने चाहा।

6 आज प्रात: मैंने यहां रुमालो के ढेर देखें, मैंने उनके लिए प्रार्थना की और मैंने, जब आप लोग प्रार्थना कर रहे थे और गा रहे थे, मैंने रुमालो के लिए प्रार्थना की; और आज रात्रि यहां और भी है। इसलिए, हम—हम विश्वास करते हैं कि परमेश्वर बीमारों को चंगा करता है चंगाई कि बहुत सी बड़ी–बड़ी गवाहियां हमारे बीच में है, और सारी दुनिया में, और इसके लिए हम बहुत आभारी है।

7 और मैंने सोचा अगले रविवार, क्योंकि मैं थोड़े समय के लिए बाहर होऊंगा और हमने सीखाने और संदेश के लिए बहुत कुछ किया है जो कि मैंने सोचा यह अच्छी बात होगी यदि हम एक—एक चंगाई सभा करें, रोगियों के लिए प्रार्थना करें। और हम विश्वास करते हैं कि परमेश्वर हमें एक महान समय देगा।

8 अब, आप में से बहुत सो ने आज रात्रि कई मील गाड़ी चलाई है। अत: मैं समूहो से वहां ब्लू बोर कैफेटेरिया में आज बातें कर रहा था, जहां मैंने दोपहर का भोजन किया था। बहुत से अच्छे लोग, मैंने उन से हाथ मिलाया और उन से बातें की लोग जिन से मैं पहले कभी नहीं मिला, वे यहां गिरजे में आते हैं। और मैं ऐसे मित्रों के लिए बहुत आभारी हूं, और मैं आप में से प्रत्येक को धन्यवाद देना चाहता हूं उनमें से कुछ ने काली रसबेरी तोड़ी और हमारे लिए लाए और एक हमारे लिए रस की बाल्टी लाया था राब मैं विश्वास करता हूं कि वह यही था और—और कुछ चीजें आप नहीं जानते कि इसका क्या अर्थ है। और प्रात: मैं ऊपर आया और घर से बाहर चला गया, कभी–कभी वहां...

9 उस प्रात: वहां कुछ भाई थे जो कि वास्तव में बुरी दशा में थे उसके पास कोई कपड़ा कुछ भी नहीं था, चाहते थे कि मैं जाकर उसके लिए कुछ कपड़े ले आऊं। मैं बाहर निकलने को हुआ और मैं लगभग एक कहीं रसबेरी भरी बाल्टी से जो वहां रखी थी टकरा गया। मैंने कहा, "क्या तुम यह काली रसभरी लाये हो? "

10 और उसने कहा, "नहीं, कभी इससे कोई सरोकार नहीं मैं यहां दिन के उजियाले से पहले यहां हूं और वे तब से यहां बैठे हैं।" और यह मेरा अच्छा भाई रुडेल मेरे लिए लाया था। और, इसलिए, उन चीजों के लिए मैं निश्चय ही सराहना करता हूं।

11 कुछ देर पहले बिली पॉल ने मुझसे इस बात का उल्लेख किया, कि आज रात्रि इस सभा से, मेरे लिए चंदा लिया है। इसके लिए मैं—मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैं आपसे यह नहीं चाहता कि आप ऐसा करें मैं केवल प्रयासों की सराहना करता हूं और आदि–आदि परंतु यह आवश्यक नहीं था। और, लेकिन, प्रभु आपको आशीषित करे। आप जानते हैं, आप जानते हैं, बाइबल ने कहा, "जो तुमने इन छोटे से छोटों के साथ किया, वह मेरे साथ किया।"

12 अब, इस संदेश पर मेरे पास एक प्रकार से सीधा–सीधा बोलने के लिए है। और मैं... कुछ लोग इस धारणा में है कि—कि मैं सोचता हूं कि यीशु प्रात: या आज रात्रि आने वाले हैं। मैं सोचता हूं। अब, मैं यह नहीं कहता कि वह आयेगा। और फिर हो सकता है, वह अगले सप्ताह ना आये, और यह अगले वर्ष हो सकता है यह दस वर्षों बाद हो सकता है मैं नहीं जानता वह कब आ रहा है। परंतु, मैं एक बात चाहता हूं कि... सदा आप अपने मस्तिष्क में रखें आप हर मिनट या घंटे में तैयार रहे। समझे? कि, यदि वह आज ना आये, वह कल यहां हो सकता है। इसलिए आप केवल यह अपने मस्तिष्क में रखें, कि वह आ रहा है।

13 और मैं नहीं जानता कि किस समय मेरी अंतिम घड़ी इस पृथ्वी पर है ना ही हम में से कोई जानता है। और हम में से कोई नहीं जानता कि वह कब आ रहा है उसके अपने वचनों के अनुसार वहां स्वयं भी नहीं जानता; उसने कहा, "केवल पिता ही जानता है, कि वह कब आयेगा यहां तक कि पुत्र भी नहीं जानता कि वह कब आयेगा।" यह जब परमेश्वर उसे हमारे पास फिर से भेजें। परंतु हम उसके आगमन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। और यदि वह मेरी पीढ़ी में नहीं आता, वह अगली में आ सकता है; यदि वह वाली में नहीं आता, वह अगली में आयेगा। परंतु मेरे लिए, मैं यह नहीं देख पाता कि कुछ समय बचा है। मैं केवल... मेरे लिए यह किसी भी मिनट हो सकता है। अब इसका यह अर्थ नहीं... इसका यह अर्थ नहीं कि आप आकाश के

बदलावो और हर चीज... यह वह आगमन नहीं है जिसके लिए मैं बोल रहा हूं। मैं उठा लिये जाने के लिए बातें कर रहा हूं।

14 देखिए, वह तीन आगमन करता है वह तीन पुत्रों के नाम में आया वह त्रिएकता में आया पिता, पुत्र, पवित्रआत्मा देखिए, यह सब वही मसीह है, वही परमेश्वर हर समय। अब, हम जानते हैं वह तीन अनुग्रह के कार्यों के लिए आया; न्यायोचित, पवित्रीकरण और पवित्रआत्मा का बपतिस्मा। परमेश्वर में हर चीज तीन में पूर्ण होती है।

15 और इसलिए पहले, वह अपनी दुल्हन को छुड़ाने आता है। दूसरी बार वह जैसे उठा लिया जाना आता है, अपनी दुल्हन को ले जाने के लिए। तीसरा वह आता है, अपनी दुल्हन के साथ, राजा और रानी; उसके बाद, जब बहुत से लोग उसके आने की आशा कर रहे हैं।

परंतु जब वह इस बार आता है, मुश्किल से कोई नहीं, परंतु वे जो तैयार है जान जायेंगे, वह कब आता है वहां लोगों की अनुपस्थिति होगी वे नहीं जान पायेंगे कि उन्हें क्या हुआ वे केवल क्षण भर में ही उठा लिए जायेंगे, और वे जो इसमें गायब हो जायेंगे, "पल में बदल जायेंगे, पलक झपकते ही।" इसलिए केवल उसके लिए तैयार रहें, किसी प्रात: प्रिय जनों को ना पाना कितना भयानक होगा, उन्हें कोई नहीं ढूंढ सकता क्या यह बहुत बुरा ना होगा यह जान कर कि यह तो हो कर समाप्त हो गया और आप चुप गए? इसलिए केवल परमेश्वर के सामने रहे।

16 अब, अगले सप्ताह प्रभु ने चाहा अगले सोमवार, उस सप्ताह से, इस सोमवार से यदि परमेश्वर ने चाहा, मैं अपना परिवार वापस एरीजोना ले जा रहा हूं, जहा वे स्कूल जायेंगे, तब मैं—मैं वापस आ रहा हूं।

17 अब, मैं बाहर नहीं जाता हूं... मेरे पास वहां बाहर कोई सभायें नहीं है मैं मुश्किल ही एरीजोना में रहूंगा। मैं कहीं और जा रहा हूं। अगले सोमवार को मैं पत्नी को वहां ले जा रहा हूं। मैं यहां फिर वापस आ रहा हूं। मैं यहां से ब्रिटिश कोलंबिया हो जाऊंगा। मैं केलेराडो वापस आता हूं। मैं बड़े दिन के करीब फिर से ऐरीजोना में होऊंगा, केवल कुछ मिनटों के लिए, काफी लंबा है... हो सकता है, दो या तीन दिन में परिवार को इकट्ठा करके, प्रभु ने चाहा तो बड़े दिन की छुट्टियो में यहां वापस आऊंगा, और नए वर्ष के सप्ताह में सभायें लूंगा।

18 इसलिए तब मैं यहां व्यवहारिक रूप में अधिक होऊंगा। मैं और बाहर कि जगहो से यहां दस गुना अधिक होता हूं, क्योंकि बाहर हमारे कोई कलीसिया या कोई सभा नहीं है, इस प्रकार से कलीसिया कि सभा के रूप में बाहर हमारे पास कुछ नहीं है। यह इस विषय में खराब बात है, मेरे पास ऐसी जगह नहीं है कि जहां मैं बच्चों को यह संदेश सुनने को भेजूंगा, आपके बच्चों कि तरह जो यहां आकर सुनते हैं और और यह हम में एक कमी है। परंतु वे सब स्वस्थ है। वहां सूखा, गर्म, शुष्क जलवायु है, परंतु सारे बालक स्वस्थ प्रतीत होते है। मैं वहां अधिक समय तक नहीं रहा, जानने के लिए कि यह स्वस्थ वर्धक है या नहीं। मैं, मैं चलता रहता हूं और मैं—मैं—मैं समझता हूं कि मैं घुमक्कड़ ही पैदा हुआ हूं।

19 मेरी पत्नी मुझे कहती है... मुझे मालूम है कि वह यहां है, इसलिए मैं इसको गिरजे के बाद लूंगा, आप सब जानते हैं। वह क्या कहलाता है, बदलती हवायें या चंचल हवाए या जो कुछ भी जो कुछ भी आप जानते हैं, स्थान बदलने वाली रेत? या दूसरे शब्दों में, मैं हमेशा घूमता रहता हूं। और अब मेरा विवाह हुए बावीस वर्ष हो गए हैं, कभी–कभी मैं सोचता हूं, मैं अपने घर के आस–पास अनजान हूं, क्योंकि मुझे जाना होता है।

परंतु मैं उस समय की राह देख रहा हूं जब किसी दिन हम अपने देश में बस जायेंगे। परंतु अभी लड़ाई चल रही है, इसलिए हम प्रार्थना में रहे।

20 अगले रविवार की प्रात: मत भूलिए, प्रभु चाहेगा तो, अपने बीमारों और पीड़ितों को लाइए, जल्दी आकर, अपना स्थान ले और हो सकता है प्रार्थना करने के लिए एक समूह हो। हमें प्रार्थना पत्र देने होंगे। यदि अधिक ना हुए तो हम प्रार्थना पत्र नहीं देंगे, बस दो तीन दर्जनों की लाईन बनाना ही काफी होगा, या जो भी है। परंतु संभवत: हम—हम प्रार्थना पत्र देंगे, इसलिए हम शायद यह अपनी नियमित सभा से पहले एक घंटा पहले करेंगे जो कि मैं सोचता हूं होगा... यह आठ या साढ़े आठ, वह प्रार्थना पत्र देंगे अगले रविवार प्रात: गिरजा खोलें और प्रार्थना पत्र दे दे। और तब निश्चित रूप से यहां आप अपनों के लिए... अपने प्रिय जनों को लाइए, यहां रखिए गिरजे में अच्छा और ठंडा रहेगा, यदि वे बीमार है, और हम उनके लिए हर चीज जो हम उनके लिए प्रार्थना में कर सकते हैं।

21 इस प्रेम भेंट के लिए, फिर से धन्यवाद।

22 और अब हम आज रात्रि परमेश्वर का कुछ वचन पढ़ने जा रहे हैं, और उसकी यहां दोबारा उपस्थिति के लिए तैयार रहे, कि हमारे लिए अब वचन लाये। हम जानते हैं कि हम मूल ग्रंथ को पढ़ सकते हैं, परंतु परमेश्वर ही को प्रसंग को प्रगट करता है। समझे? हम एक मूल पाठ ले सकते हैं, परमेश्वर ही को प्रसंग को प्रगट करना होता है। और जब कि आप निकल रहे हैं, अब यिर्मयाह की पुस्तक में दूसरा अध्याय...

23 मैं यह कहना चाहता हूं, मुझे प्रसन्नता है कि भाई ली वायल हमारे साथ है प्रभु में एक बहुमूल्य भाई। मैं सोचता हूं कि भाई यहां है, मैं उसका नाम याद नहीं कर सक रहा हूं भाई विलार्ड क्रेस और मैंने अरकनसास के भाइयों को देखा, भाई जॉन और वे पोपलर ब्लॉक के आसपास से और भाई ब्लेयर। और ओह, भाई जैकसन और भाई रुडेल और बहुत सारे जिनको मैं—मैं नहीं कर सक पा रहा हूं... इच्छा है कि हर एक का नाम लू परंतु यह कर नहीं सकता और समझते हैं। भाई बेन ब्रायंट को मैं यहां बैठे देख सकता हूं; वह अक्सर मेरी आमीन का कोना है जब मैं... उनकी आवाज के द्वारा हर कोई बेन को जानता है। हूं–हुंह।

24 एक बार हम केलिफोर्निया में, मैं बैपटिस्ट लोगों के लिए समाचार प्रचार कर रहा था, इस घाटी में। उन्होंने वहां एक बड़ा तंबू लगा रखा था और बहुत सारे बैपटिस्ट के बड़े–बड़े लोग थे। और मैं वहां कहीं से भी "आमीन" नहीं सुन सक रहा था, कहीं से भी नहीं, आप जानते हैं, कुछ स्त्रिया डर रही थी, उनके चेहरे का रंग उतर रहा था। और तब पहली बात आप जानते हैं, मैंने एक पैरों को जोड़ा देखा, *इस* प्रकार की ऊपर हवा में जाता है, और दो बड़े बड़े हाथ और काले बाल वहां हिल रहे थे, शोर कर रहे थे "आमीन" इस तरह चिल्ला रहे थे और मैंने नीचे देखा, मैंने कहा, "बेन तुम कहां से आ गए? " वह वास्तव में "आमीन" कर रहा था।

25 मैं देख रहा हूं कि उनकी पत्नी थोड़ा सा उनकी ओर देख रही है। अच्छा, उनके काले बाल थोड़े गिर रहे हैं, परंतु यह सब ठीक है, समझे। इस विषय में चिंता मत कीजिए मेरे बहुत पहले गिर चुके हैं।

इसलिए, अब प्रार्थना करना ना भूले।

26 अब जबकि हम सभा के लग्न युक्त वाले हिस्से में जाते हैं याद रखिए, यदि हम यह वचन पढ़ते हैं, तब परमेश्वर अपने वचन को आशिषित करेगा। "वह उसके पास खाली नहीं लौटेगा, परंतु वह जिस उद्देश्य के लिए है,

उसको पूरा करेगा।" और मैं जानता हूं कि वचन पढ़ते हुए, मैं सदा ठीक होऊंगा, जब मैं वचन पढ़ता हूं, तो परमेश्वर अपने वचन की प्रतिष्ठा करेगा।

27 अब आइए, हम उसके वचन के सम्मान में खड़े हो जाए। यिर्मयाह दूसरा अध्याय यिर्मयाह दो का का बारवा और तेरवा पद।

हे आकाश चकित हो... बहुत ही थरथरा और सुनसान हो जा, यहोवा की यह वाणी है

क्योंकि मेरी प्रजा ने दो बुराइयां की है उन्होंने मुझे, जीवन के बहते जल को सोते को त्याग दिया है और उन्होंने हौद बना लिए, वरन ऐसे हौद जो टूटे गए हैं, और जिन में जल नहीं... रह सकता।

आईए अब हम अपने सिरों को झुकाए।

28 प्रिय परमेश्वर, तेरा वचन पढ़ा गया। और हम प्रार्थना करते हैं कि आप इस वचन कि प्रतिष्ठा करें और आज रात्रि हमें दृष्टांत या इसके समांतर दीजिए जैसा कि हम देखते हैं जो दिन चल रहे हैं, इस्राएल जैसा कि उदाहरणों में है; जैसा कि बाइबल हमें सिखाती है कि हम देख सकते हैं, जब उन्होंने वचन का पालन किया तो आपने उनके साथ क्या किया देखते हैं, आप ने उनके साथ क्या किया, जब उन्होंने वचन को नहीं माना और सिखा कि हमें क्या करना चाहिए। इसलिए, हम प्रार्थना करते हैं कि आप आज रात्रि हमसे विशेष तरीके से बात करेंगे ताकि हम जान सके कि हमें इन दिनों में कैसा व्यवहार करना चाहिए, जिसमें कि हम रह रहे हैं यह हमने आज प्रात: सिखा है। यह हम यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

बैठ जाए।

29 थोड़े से समय के लिए, मैं आज रात्रि एक विषय पर बोलना चाहता हूं, *टूटे हुए हौद*।

30 इस्राएल ने दो बुराइयां की थी। परमेश्वर ने कहा वे उस से फिर गए, जीवन के सोते से और अपने आप हौद बना लिए कि उसमें से पीये। अब यह कुछ है।

31 इस मूल पाठ पर मैंने इस कारण सोचा था, क्योंकि यह उसके समांतर चलेगा जो कुछ भी मैं आज प्रात: जा रहा था, उस घड़ी में जिसमें हम रह रहे हैं, और वह कारण जिसके लिए हम संघर्ष कर रहे हैं।

32 और हम इस्राएल को एक उदाहरण के रूप में देखते हैं, कि, परमेश्वर क्या था, उसे सदा एक सा ही रहना है और केवल एक ही चीज है जिसका कभी परमेश्वर ने सम्मान किया है, वह उसका वह मार्ग जो उसने अपने लोगों के लिए दिया और जब वे उस मार्ग से भटक जाते हैं, तब परमेश्वर का अपमान हुआ था और परमेश्वर लोगों को उस मार्ग से हटने के कारण जो उसने उन्हें करने को कहा था, ताड़ना दी, इसका कोई मतलब नही कि वह क्या था।

उसने उन्हें नियम या व्यवस्था भी दी, "छुओ मत, प्रयोग ना करो, चखो मत।" इसलिए नहीं कि वहां करना बुराई है, परंतु आज्ञा उल्लंघन की बुराई, जो उसने करने को कहा। और ऐसा नियम नहीं जो हो सकता जिसमें नियम के लिए दंड ना हो। क्योंकि यदि दण्ड नहीं है, तो नियम कुछ भी नहीं है, जब तक कि उसमें दर्द ना हो। नियम!

33 अब, हम देखते हैं, कि उन दिनों में उन्होंने क्या किया जो कि इन दिनों के समांतर है, जो कि हम आज कर रहे हैं, जो कि कलीसिया के लोग कर रहे हैं।

34 यहां हम एक अजीब चीज देखते हैं यह कुछ लोगों के लिए अजीब हो सकती है, जब उसने कहा, "तुमने, उन्होंने अपने लिए हौद बना लिए, टूटे हौद बना लिए।" अब, हो सकता है आप में बहुत से लोग यह ना जानते हो कि हौद क्या होता है कितने लोग जानते हैं कि हौद क्या होता है? अच्छा अधिकतर जानते यदि आपका पालन पोषण फार्म पर हुआ है, तो आप जानते है हौद क्या होता है। मुझे याद है कि हौद क्या होता है, यह जानने के लिए मैंने बहुत से खटमल पीये।

मैंने एक प्रदेश में प्रचार किया जहां झाड़ लताओं के घर है, जहां पर आपको बड़े–बड़े हौद का पानी घड़े में बाहर रखना होता है, बाहर वर्षा में समझे, आप और वह थोड़ा सा पुराना हो गया था। और—और तब रात के समय वह खटमल उसमें आ जाते हैं। और इसलिए मैं जानता हूं कि हौद का पानी क्या होता है।

35 एक—एक जगह हो होती है, एक—एक चीज जो जमीन में खोदी जाती है, कुए के बदले में जहां लोगों के पास कुए नहीं होते तो उनके पास हौद होते हैं। दूसरे शब्दों में हौद मनुष्य द्वारा बनाया गया तालाब होता है, मनुष्य द्वारा जमीन पर बनाया गया कुंवा, जिसको मनुष्य पानी रखने के

लिए खोदता है, कि उसका प्रयोग करें। कुछ उसे धोने के कार्य के लिए प्रयोग करते है, कुछ पीने के लिए प्रयोग करते हैं और हो सकता है, दूसरे तरीकों के लिए कभी–कभी सारा का सारा पानी जो हमें मिला करता था, वह हौद से होता है था। आपके पास एक पुरानी चीज हुआ करती थी, हवा के लिए घुमाते जाओ घुमाते जाओ, घुमाते जाओ पानी ऊपर लाने के लिए; वहां छोटी–छोटी बाल्टीयां होती थी ताकि हौद से पानी को ऊपर पंप कर सके।

36 ठीक है, हमने एक चीज हौद के विषय में देखी जो कि कुंवे से भिन्न होती है, कि हौद खाली हो जायेगा। हौद अपने आप को नहीं भर सकता। यह—यह... विश्वास योग्य नहीं है। आप हौद पर भरोसा नहीं कर सकते। उसे तो वर्षा पर भरोसा और निर्भर करना पड़ता है जो कि गर्मी में था जाड़े में होती है, जैसे भी वह हो... अधिकतर जाड़े के समय जब बर्फ और पानी आता है, तब वह हौद को पानी से भर देता है। और यदि उसे पानी नहीं मिलता है, तो फिर आपके—आपके पास पानी नहीं होता है। वह सारा का सारा सूख जाता है, वह अपने आपको दोबारा नहीं कर सकता पुराना हौद अपने आप को फिर से नहीं भर सकता। वह अपने आप को वर्षा से जो होती है, उससे भरता है।

37 मैं चाहता हूं कि आप हौद के विषय में एक और बात पर ध्यान दें अधिकतर आप पायेंगे या जिस तरह यह हमारी जगाहो में होते थे हौद... खलियान अधिकतर घर के आकार से दुगने होते थे, और अधिकतर उन खत्तियो में पानी आ जाता था, और वहां से हौद में जाता था। मुझे याद हैं एक पुराना हौद वहां है, जब पानी के पाईप खतियो से उसमे जाते है। तो वह खत्ती से भरता है।

तब इस प्रकार पानी खत्ती की छत से जमा होकर जाता था; जहां के सारे जानवर घुड साल के मैदान में चारो और घुमते थे, और सूखे के समय में सारी गंदगी खत्ते के मैदान से खत्ती कि छत पर जमा होती थी और तब पानी आकर सारी छत को धोकर, कटौती में जो कि मनुष्य को बना हुआ है, तब मनुष्य द्वारा बनाई गई लेटी में फिर मनुष्य द्वारा बनाए गए हौद में। और यदि आपको गंदगी नहीं मिली तो मैं नहीं जानता कि आपको क्या मिला जब आपके पास हौद होता है। जी हां, श्रीमान! यह सब मनुष्य द्वारा बनाया हुआ है, और उतना ही गंदा है जितना गंदा हो सकता है।

38 आप जानते हैं, हम कहां करते थे... हमारे पास एक छानने का चिथड़ा था। क्या आप को मालूम है कि वह क्या था? वहां छानने का कपड़ा लगाना पड़ता था उन खटमलो और चीजों को पकड़ने के लिए जो ऊपर खत्ते पर से और चारों ओर से आया करती थी और एक स्थान से दूसरे स्थान हौद में डाला जाता था। और हम उस पर छानने का कपड़ा डाला करते थे कि सारे झाग और उन चीजों को पकड़ ले जो हम पकड़ सकते हैं, इस क्रम में वह सही में धूल को नहीं पकड़ेगा, वह केवल बड़ी–बड़ी चीजों को नीचे आकर उसमें गिरती थी। वे खटमट उसमे गिर सकते थे, परंतु खटमलो का रस पानी के साथ चला जाता था। इसलिए आपके—आपके पास सही में गंदगी थी, जब आपके पास पुराना गंदा हौद था।

39 कुछ दिनों में, आप पानी को वही खड़ा रहने दीजिए, और वह ठहरा हुआ हो जायेगा। आप हौद में पानी रुका रहने दे, वह ठहरा हुआ हो जायेगा, और वह मेंढको और छिपकलियों और सांपों से भर जायेगा। और हम उसे "हिलने वाली पूछे" कहते हैं, थोड़ा सा... मैं नहीं जानता, या तो... वह परजीवी नहीं है, वे एक... मैं कह नहीं सकता, मैं नहीं जानता आप उन्हें क्या कहेंगे परंतु कुछ छोटी चीज पानी में हो जाती है, जिसको—जिसको हम हिलने वाली पूछे कहते हैं। आप जानते हैं कि वह क्या है कितने जानते हैं कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूं, ओह, क्यों बिल्कुल आप सब गांव के लोग जानते हैं, यह सारा ठहर जाता है और यह ठहराव के प्रेमी इसमें आ जाते हैं। यह यही में ठहराव के कारण आते हैं, क्योंकि वह ठहर चुका है, वह उन जानवरों को खींच लेता है जो ठहराव की चीजें पसंद करते हैं।

40 और यह सब, आज हमारे गिरजो की तरह है। मैं सोचता हूं कि हम छोड़ चुके हैं... एक बड़ा पाप जो आज गिरजे ने किया है, जैसा कि उस समय इस्राएल ने किया था, उसने उस जीवन के जल के सोते को छोड़ दिया, और अपने लिए मनुष्य द्वारा हौद खोद लिए हैं। और वह हर उस चीज का निवास बन गया है, जो उस तरह के जल से प्रेम करते हैं, छिपकलियों, मेढको और हर प्रकार के गंदे कीटाणुओं का जो उस में रहते हैं, क्योंकि यह मनुष्य द्वारा बनाए हुए तालाब है। और इस तालाब में जो यह चीजें रहती है, यह आज के नामधारी गिरजो का सही उदाहरण है।

41 "अब," आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम आप इन लोगों को पर कड़ा प्रहार क्यों कर रहे हैं?"

इस पर प्रहार करना ही चाहिए। इस पर प्रहार करना ही चाहिए, इससे भागो, क्योंकि अंत में यह पशु की छाप बनेगा। याद रखिए, यह सच्चाई है यह पशु का चिन्ह होगा। नामधारी गिरजे इसी में ही जायेंगे। अब यह बिल्कुल अपने मार्ग पर है कि अधिकार से बद्ध कर दे।

42 पुराने रोमन राज्य को, देखिए, वह बिल्कुल ऐसे ही है, जैसे उन्हें स्वधर्म त्याग के चिन्ह की ओर ले जाया गया। आपने पाया कि कोई भी मनुष्य बिना पशु के चिन्ह के कुछ भी खरीद या बेच नहीं सकता था। उसके पास यह होना ही है।

43 तब वहां इस पृथ्वी पर दो ही श्रेणी के लोग होंगे, वे जिन पर परमेश्वर की मोहर है और वे जिन पर पशु कि छाप है। केवल दो श्रेणियां, इसलिए आपको यह या वह लेना ही होगा, यह एक धर्म त्याग होगा एक—एक छाप धर्म की, धर्म त्याग।

44 और यह पशु की मूरत होने जा रहे हैं, जैसे कि अध्यन में हम इस बात को पाते हैं कि रोम था, है, और हमेशा रहेगा, वह चिन्ह... या वह पशु। यह बिल्कुल सही है इसको छोड़ और कुछ है ही नहीं। रोम!

45 और रोम ने क्या किया? यह मूर्तिपूजक रोम से बदलकर पोप संबंधित रोम, और संगठित प्रणाली में बदल गया, एक विश्वव्यापी प्रणाली, जिसने हर एक को उस एक धर्म कि ओर बाध्य किया या मार डाला।

46 और यह अचरज कि बात है कि अमेरिका दृश्य में एक मेमने के समान आया। और इस मेमने के दो छोटे सींग है, नागरिक और धर्म संबंधी अधिकार। और कुछ समय पश्चात जब वह मेमना था, हम यह पाते हैं कि वह एक अजगर की तरह बोला, और उन अधिकारों का प्रयोग किया जो पहले अजगर के पास थे। और बाइबल हमें यहां बताती है कि उन्होंने कहा, "आओ हम एक पशु की मूरत बनाये।" एक मूरत कुछ ऐसी होती है, जैसी कोई और चीज हो। और अब हम इसको देख सकते हैं उसकी धर्म त्याग कि स्थिति में, गिरजे, विश्व गिरजो, परिषद बना रहे हैं, जो कि रोम की सामर्थ की मूरत है; और लोगों को उसी बात के लिए बाध्य करेगी, जो कि मूर्ति पूजक रोम ने किया... या पोप संबंधी रोम ने किया। इसलिए इसका कोई और मार्ग नहीं है, और कोई चीज नहीं है। परंतु यह केवल एक सत्य है।

47 और इसलिए मैं, इस पर अपने युग में, अपने समय में प्रहार कर रहा हूं क्योंकि इस प्रहार को होना ही चाहिए। एक बुलाहट आती है, "मेरे लोगो उसमें से निकल आओ, ताकि तुम उसके पापों में भागी ना बनो!"

48 अब मैं इन गन्दे सड़े हौदो को इस से जोड़ रहा हूं, "वह जीवन का सोता है, वह जीवित जल है।" और मनुष्य उसे छोड़ देता है और अपने लिए हौद खोद लेता है, जिसमें केवल सडाहट रह सकती है। केवल यही चीज वह रख सकता है। और यही नामधारी संस्थावाद करता है, यह हर साथ आने वाली चीज को पकड़ लेता है, और उसमें सहभागिता करता है, और वे उन बातों को अंदर लेने के लिए तैयार है; यदि उसमें पैसा हो या किसी निश्चित मार्ग में समान हो सके, इससे कोई मतलब नहीं कि वे कौन है, वे कहां से आये हैं, जो भी हो वह उन्हें ग्रहण करते हैं।

49 अब हम फिर से यहां पाते हैं, कि यह पशु की छाप जो यहां बनी है, ... अमेरिका का तेरा नंबर है। यहां तेरा बस्तियों से उत्पन्न हुआ, और इसका झंडा उसमें तेरा सितारे थे, तेरा धारियां और यहां तक कि प्रकाशित वाक्य 13 अध्याय में प्रकट हुआ होता है। और अमेरिका सदा हमारे सिक्कों में स्त्री द्वारा प्रदर्शित किया गया यहां तक कि पैसे पर इंडियन सिर भी स्त्री का पार्श्व चित्र है, हम जानते हैं, हम इसका इतिहास जानते हैं। हर चीज, स्वतंत्रता की घंटी और हर चीज, वह स्वतंत्रता... स्वतंत्रता की मूरत, सब कुछ स्त्री है। एक स्त्री; तेरह अंक। समझे? अब, यह बातें देखने में सुंदर लगती है।

50 और अब मैंने परमेश्वर के प्रकाशन के द्वारा यह भविष्यवाणी की या 1933 के दर्शन, कि समय समाप्त होने से पहले सात बातें घटित होगी। और उनमें से एक यह है, कि, "मैसोलीनी जो इस समय तानाशाह बन गया था, वह तानाशाह बन जायेगा; और यह भी कि वह आक्रमण करेगा, और नीचे इथोपिया जायेगा और इथोपिया को जीत लेगा, और आत्मा ने यह कहा कि, 'वह उसके चरणों में गिर पड़ेगा।'"

51 मुझे संदेह नहीं यदि कोई पुराने समय का अब भी आराधनालय में है, याद होगा जब रेडमैन हॉल में जहां हमने बहुत वर्षों पहले प्रचार किया था, मैंने यह कहा था। क्या आज रात्रि कोई भवन में है, जो कि वहां जब पुराने रेडमैन हॉल में प्रचार हुआ था तब का हो जब उनके पास बाहर एन. आर. ए थी, उस समय जब रूट्स वैलिड का पहला सत्र था? मुझे प्रतीत होता

है, यहां एक भी नहीं है, क्या कोई है? हाँ, हाँ, वहां एक है। हाँ, श्रीमती विलसन, मुझे उनकी याद है मेरी पत्नी पीछे बैठी है उन दिनों के पुराने नी पीढ़ी के दो लोग बचे हैं।

यह जब की बात है, जब उन्होंने कहा था कि यह एन. आर. ए. पशु की छाप है, मैंने कहा, "इससे कोई मतलब नहीं; बिल्कुल नहीं। पशु की छाप यहां से नहीं है, यह रोम से आयेगी। और यह पशु की छाप नहीं हो सकता।"

52 और अब याद है कि यह बातें कही गई थी कहा था कि, "एडोल्फ हिटलर का अंत रहस्यमय होगा। और वह अमेरिका पर युद्ध की घोषणा करेगा और वे सीमेंट की एक—एक—एक बहुत बड़ी चीज बनायेंगे, कि वे उसमें रह भी सकेंगे। और इसी पर वहां अमेरिकानो कि बहुत बुरी हार होगी।" और यह सीगफ्राईड रेखा थी, इससे पहले कि वह बनाना आरंभ होती, 11 वर्ष पहले की बात है। और तब कहा, "परंतु उसका अंत हो जायेगा राज्य युद्ध जीत जायेगा।"

53 और तब कहा, "तीन वाद है: नाजिजम, और कम्युनिस्टवाद।" और मैंने कहा, "यह सब कम्युनिजम में बंध जायेंगे, रूस इन सबको कम्युनिजम में ले लेगा।"

54 और मैंने कहा, "तब विज्ञान इतना बढ़ जायेगा, मनुष्य बहुत बुद्धिमान होने जा रहा है, जब तक कि वह बहुत सारी चीजों का अविष्कार नहीं कर लेगा, जब तक कि वह ऐसा वाहन नहीं बना लेगा कि वह अंडे की आकार की ना हो, उसके ऊपर कांच की सी छत होगी वह चालाक पहिए की जगह किसी और ताकत से नियंत्रित होगी।" और उनके पास कार है।

55 और मैंने कहा, कि, "हमारी स्त्रियों का चरित्र इतने तक गिर जायेगा जब तक कि वह सारे राष्ट्रों में कलंकित ना हो जाए। वे पुरुषों के वस्त्र पहनने वाली है। वे अपने वस्त्र तब तक उतारती जाएगी, जब तक कि वास्तव में वह अपने अंदर के वस्त्र में ना आ जाए, यही है। और अंत में वे अंजीर के पत्ते जैसा पहनने पर उतर आयेगी।"

और यदि आप पिछले माह कि *लाईफ* पत्रिका में देखेंगे, कि उनके यहां एक स्त्री अंजीर के पत्ते पहने हुयी थी और वह सांझ की नई फ्रॉक या झंगोला है, जो भी वे सांझ को पहनते हैं; पारदर्शी, आप उसके अंदर देख सकते हैं केवल अंजीर के पत्तों ने उसके शरीर के निश्चित अंगों को छुपा

रखा था; बिना कंधे की पट्टी का या बिना पट्टी का नहाने का वस्त्र, ऊपर का भाग शरीर दर्शाता है। और कैसे यह चीजें हो गई है!

56 तब मैंने कहा, "मैंने एक स्त्री को संयुक्त राज्यों में खड़ा देखा, एक महान रानी या ऐसे ही कुछ। और वह देखने में सुंदर थी, परंतु हृदय से बहुत बुरी थी। और उसने राष्ट्र को अपने पद चिन्हों पर चलने वाला बनाया।"

57 तब मैंने कहा, "अन्त में उसने मुझसे कहा कि फिर से पूर्व कि ओर देखो और जब मैंने ऐसा किया, मैंने देखा ऐसा लगा कि जैसे कि यह संसार धमाके से ध्वस्त हो गया। और जहां तक मैं देख सका, कुछ नहीं, परन्तु लड़कियां और—और पिछली चट्टाने जो कि धमाके से पृथ्वी के बाहर आ गई थी।"

और यह चीजें संसार की समाप्ति से पहले होनी थी। और सात में से पाच हो चुकी है इन 33 वर्षों में। हम अब वापस अंत समय में है!

58 और तभी मैं नामधारी गिरजो के विरुद्ध बोला। और आज रात्रि अब तक मैं यह विश्वास करता हूं कि यह मल कुंडे है, यह वह स्थान है जहा सारी गंदगी जाती है। मैं यह विश्वास नहीं कर सकता कि परमेश्वर कभी ऐसी चीज को अपनी कलीसिया में लेगा, क्योंकि उसे तो परमेश्वर की और से उत्पन्न होना है, और उसे साफ करना है इससे पहले कि वह उसकी कहला सकती है। यीशु की रहस्यमय देह, हम इसमें पवित्रआत्मा के बपतिस्मे के द्वारा इसमें बपतिस्मा लेते हैं।

59 जी हां, यह हौद की प्रणाली निश्चय ही नामधारी गिरजे का उदाहरण है। एक बुद्धिमान मनुष्य को देखना चाहिए और इसमें कभी नहीं जाना चाहिए क्योंकि परमेश्वर ने युगों में से होते हुए सिद्ध किया है कि वह इसके विरुद्ध है और इससे कभी वास्ता नहीं रखा। कोई भी समूह... किसी भी समय कोई भी संदेश के साथ उठा जैसे लूथर, वैसली या कौरा कौरा और स्मिथ और कैलविन और वे सब जब उन्होंने संगठन आरंभ किया परमेश्वर ने चीजो को तख्ते पर रख दिया और फिर कभी बेदारी में नहीं आया।

60 इतिहास में देखिए। ऐसा समय कभी नहीं हुआ कि परमेश्वर ने नामधारी गिरजे को लिया हो, और उससे बेदारी पैदा की हो, कहीं भी नहीं। तब इतिहास और बाइबल से यह सिद्ध होता है कि यह परमेश्वर की दृष्टि में गंदी चीज है, इसलिए मैं इससे कोई वास्ता नहीं रखना चाहता। और

इसलिए मैं इसके विरुद्ध हूं। मैं लोगों को इससे बाहर निकालने की कोशिश कर रहा हूं।

61 हमें इस्राएल की तरह बुलाया गया है, इसलिए अब यह ऐसा है कि इस्राएल की और उदाहरण के लिए देखें। वे जब तक सोते के पास टिके रहे, वे ठीक थे परंतु जब उन्होंने अपने लिए हौद खोद लिए, मनुष्य द्वारा बनाए गए रिती रिवाज तब परमेश्वर उन्हें वहीं पड़ा घोड गया वह हमसे भी वैसा ही करेगा। "उन्होंने उस जीवन जल के सोते को त्याग दिया।" परमेश्वर की उनके विरुद्ध यही शिकायत थी कुछ ऐसा बना लिया। "ताकि वे यह कह सके, 'देखा आपने हमने क्या किया है!'"

62 अब, जब मूसा की यात्रा के समय में; जब परमेश्वर ने अनुग्रह से उन्हें भविष्यवक्ता दिया और उन्हें आग का खम्बा दिया कि उनके आगे आगे चले और चिन्हो और चमत्कारों के द्वारा सिद्ध किया। अनुग्रह ने यह सारी बातें उन्हे दी। इस्राएल अब भी दिखने वाली व्यवस्था चाहता था, उन्होंने व्यवस्था लेने के लिए अनुग्रह को अस्वीकार कर दिया।

बिल्कुल यही आज लोग करते हैं। वे नामधारी प्रणाली के लिए वचन को अस्वीकार कर देते हैं, क्योंकि उसमें वे जो चाहे कर सकते हैं और उसके साथ स्थिर रहते हैं। परंतु आप मसीह में यह नहीं कर सकते मसीह होने के नाते! आपको शुद्ध और साफ आना ही है।

63 मनुष्य द्वारा बनाए गए रीति–रिवाजों या हौदो के लिए उमड़ते हुए कुत्ते को छोड़ देते हैं, क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि कोई ऐसा कर रहा है? क्या आप उस व्यक्ति की मानसिक दशा की कल्पना कर सकते हैं जो कि ताजे कुंवे से पी सकता हो और उसे छोड़ कर मनुष्य द्वारा बनाए गए हौदो, जिसमें मेंढक और छिपकलियां और हिलने वाली पूछे, और इस प्रकार की चीजे हो उसे ले?

यह तो सही समझदारी नहीं लगती, परंतु बिलकुल यही तो लोगों ने किया है। उन्होंने परमेश्वर के वचन, सच्चे सोते को जो परमेश्वर का उद्गम और सामर्थ है, उसे छोड़ दिया ताकि हौदो से पी सके और अपने लिए हौद बना लिए वैसे ही जैसा उन्होंने तब किया उन्होंने अब किया। वे कहते हैं...

उसने कहा, "उन्होंने मुझे छोड़ दिया।" उसने यह यहां, यर्मयाह 2:14 या 13 में कहा। उसने कहा, "उन्होंने मुझे छोड़ दिया, जीवन जल के सोते को।"

64 अब, हम देखते हैं कि सोता क्या होता है। हम देखते हैं कि इसमें क्या होता है। हम देखते हैं कि यह फैरने बनाता है, यह मनुष्य द्वारा बनाई चीज है जो कि गंदी छत से आता है। वह पानी जो बरसता है वह छत की गंदी मिट्टी में मिलता है यह केवल छत की घोवन होती है इसे मनुष्य द्वारा बनाए गए नाद में... मनुष्य द्वारा बनाई गई टोटी से होते हुए मनुष्य द्वारा बनाए गए तालाब में डालते हैं। और सारी गंदगी वहां होती है, और किटाणु और छिपकलियाँ और मेंढक और जमीन की सारी चीजें, इसी प्रकार की, जमा होती है और ध्यान दीजिए यह सारे अशुद्ध जानवर है; हिलनेवाली पूछे ठहरे हुए पानी में हिलने वाली पूछ साफ पानी में जीवित नहीं रह सकता। यदि ऐसा होगा तो वह मर जायेगा। उसे तो ठहरे हुए पानी में ही होना है।

65 और यही बात आज के बहुत सारे परजीवीयो के साथ है, तुम पवित्र आत्मा के ताजे जल में जीवित नहीं रह सकते, यही कारण है कि वे वचन के बिल्कुल विरोध में है और कहते हैं, "इसमें तो स्वयं में विरोधाभास है। इससे तो नही।" क्योंकि उनके पास ये होने के लिए किसी प्रकार का ठहरा हुआ पानी होना है, इसमें छटपटाने के लिए। ठीक है।

इसी तरह से यह मेंढको, छिपकलियों और बैगची के साथ है और ऐसो के साथ वे ठहरे हुए पानी या नमी के आस पास रहते हैं, जीवित रहने के लिए यह उनका स्वभाव है क्योंकि उनके पास किसी भी तरह का ठहरा हुआ पानी का तालाब होना चाहिए कि वे जीवित रह सकें, क्योंकि वहां रहना उनका स्वभाव है और आप जानवर को नहीं बदल सकते, जब तक आप उसकी प्रकृति नहीं बदल देते।

और आप मनुष्य को परमेश्वर का वचन नहीं दिखा सकते, जब तक की उसकी प्रकृति ना बदल जाए और जो वह है, उससे उसका स्वभाव बदल जाए और परमेश्वर का पुत्र हो जाए और पवित्र आत्मा उसमें आये। पवित्र आत्मा ने परमेश्वर का वचन लिखा है!

66 आज मैं अपने मित्र डॉक्टर ली वायल से बातें कर रहा था, जो अभी यहां उपस्थित है। और वह एक अच्छा धर्म विद्वान है, और इसलिए हम अक्सर उनके साथ वचन पर अच्छी अच्छी बातें करते हैं। बहुत बुद्धिमान।

और एक बार उसने मुझसे पूछा कि मैं पवित्र आत्मा के प्रारंभिक प्रमाणों के विषय में क्या सोचता हूं, "यह अन्य भाषा बोलना था? " यह बहुत वर्षों पहले की बात है।

मैंने कहा, "नहीं; मैं यह नहीं देख सकता हूं।"

उसने कहा, "ना ही मैं देख सकता हूं," कहा, "भले ही मुझे यह सिखाया गया है।" उसने कहा, "आप क्या सोचते हैं, प्रमाण क्या होगा? "

67 मैंने कहा, "बिलकुल सही सिद्ध प्रमाण जो मैं सोच सकता हूं, प्रेम है।" और इस प्रकार हम इस पर बात करते रहे।

और तब मैंने सोचा कि यह अच्छा सुंदर लगता है, इसलिए बस मैंने उसे ही पकड़ लिया, "यदि मनुष्य प्रेम करता है।"

परंतु एक दिन प्रभु ने मुझे दर्शन में सही किया। और उसने कहा कि, "पवित्र आत्मा का प्रमाण यह है, जो वचन को स्वीकार कर सके," ना ही प्रेम ना ही अन्य भाषाओं में बोलना परंतु यह वचन को ग्रहण करना है।

68 और तब डॉक्टर वायल मुझसे कह रहे थे कि यह वचनानुसार है उसने कहा, "क्योंकि यूहन्ना 14 में यीशु ने कहा, 'जब वह, पवित्र आत्मा तुम्हारे पास आयेगा वह सारी बातें तुम पर प्रकट करेगा, जो कुछ भी मैंने तुम्हें सिखाया है और आने वाली बातें तुम्हें दिखाएगा।'"

इसलिए इस प्रकार से पवित्र आत्मा का यही सच्चा प्रमाण है! उसने अभी तक मुझे कोई बात गलत नहीं बताई। यह, "पवित्र आत्मा का प्रमाण यह है कि वह जो वचन का विश्वास कर सकता है," यदि तुम इसे ग्रहण कर सको।

क्योंकि यीशु ने कभी नहीं कहा, "जब पवित्र आत्मा तुम्हारे पास आयेगा तो तुम अन्य भाषाओं बोलोगे।" उसने यह कभी नहीं कहा कि पवित्र आत्मा आता है, और तुम इन में से कोई सी बातें करोगे। परंतु उसने कहा, "वह मेरी बातें मेरी बातों में से लेकर और तुम्हें दिखाएगा, जो आने वाली है।" इसलिए यहां पर पवित्र आत्मा का वास्तविक प्रमाण है, स्वयं यीशु के अनुसार।

69 इसलिए यह सारी संवेदनाये और यह चीजें जो लोगों को होती है, और उसी पर निर्भर रहते हैं, आप देख सकते हैं कि वे क्यों यह करते हैं। देखिए, वह एक नामधारी गिरजा बन गया है या ठहरे हुए पानी का तालाब और कभी भी कोई नामधारी गिरजा परमेश्वर के सिद्ध वचन पर नहीं बनेगा। यह इसे कर ही नहीं सकता, क्योंकि आप परमेश्वर को नामांकित या नाम नहीं रख सकते। नहीं, श्रीमान!

70 कारण इसका यह है, आप मनुष्यों का एक समूह ले जो कि वचन का विश्वास कर सकते हो, उन्हें संगठन आरंभ करने दे पहली चीज आप जानते हैं एक ही वर्ष में वहां बेकार लोग घुस जायेंगे जिन के साथ आप कुछ नहीं कर पाओगे वे अधिकार कर लेंगे और आप इस विषय में कुछ नहीं कर सकेंगे यह परमेश्वर कि प्रणाली नहीं है यह ऐसा नहीं है, इसलिए हम जानते हैं कि वह चीज बाहर है, वह एक हौद बन गया है और एक स्थान बन गया है जहां पर हर कोई *इस* पर या *उस* पर या *किसी* पर समझौता कर लेगा ताकि सदस्यों को उसमें मिला ले, या लोगों को अंदर आने दे।

71 हम पाते हैं कि यह प्रणाली बहुत पहले एक समय इस्राएलीयो के दिनों में आरंभ हुई थी, जब वे इन हौदो को खोद रहे थे। और वहां एक मनुष्य और फरीसियो का झुंड था, जिन्होंने यह हौद खोदे उनके यहां एक मनुष्य था, जिसका नाम हीरोद था और यह प्रांत का घोषणा करने वाला गवर्नर था।

और वह एक मनुष्य को सुनने को आया जो कि अपने नामधारी गिरजे द्वारा मूर्ख नहीं बनाया गया था वह भविष्यवक्ता था। और किसी भविष्यवक्ता का कभी भी नामधारी गिरजे से कोई संबंध नहीं था, परंतु वह उससे घृणा करता था। इस भविष्यवक्ता ने कहना आरंभ किया, "तुम अपने दृष्यो में यह मत कहो कि 'हमारा पिता इब्राहिम था,' क्योंकि मैं तुम्हें बताता हूं कि परमेश्वर इस योग्य है कि इन पत्थरों से इब्राहिम के लिए संतान उत्पन्न न कर दे।"

72 और वे एक सम्मानित व्यक्ति को उसे सुनने के लिए लाए और इस सम्मानित व्यक्ति ने अपने भाई की पत्नी को अपने लिए रख लिया था, और उस से विवाह कर लिया। और इस मनुष्य ने क्या किया उसके सामने गया और कहा? उन्होंने सोचा वह समझौता कर लेगा, अब श्रीमान आपकी अपनी बढ़िया गद्दी पर है आपको चाहिए... मुझे प्रसन्नता है कि आप मुझे सुनने के लिए आज यहां है।

बस यूहन्ना उसके सामने गया और कहा कि, "यह तेरे लिए नियमानुसार नहीं है कि तू उसे रखें।" और सबसे पहली बात जो उसने कहीं वह उस पर उसके पाप के लिए चिल्लाया।

73 देखिए, नामधारी गिरजे ठहरे हुए पानी के तालाब बनाते हैं, जहां पुरुष स्त्रियों के साथ रह सकता है और वे स्त्रियों ऐसे ही चलती रहती है और

अपने बाल काटती है, छोटे कपड़े पहनती है, और कुछ भी और अपने को मसीही कहती है

परंतु सच्चा सोता, हांल्लेलुय्या, परमेश्वर की सामर्थ का वह वहां रुक नहीं सकता, क्योंकि वह बाहर की ओर उछलता है, "मैं जीवन जल का सोता हूं उन्होंने मुझे छोड़ दिया ताकि अपने लिए थोड़े से हौद खोद ले।"

74 अब जीवन जल का सोता, हम देखते हैं कि जीवन जल का सोता क्या होता है? हमने देखा हौद क्या होता है, अब जीवन जल का सोता क्या होता है? यह उमडते सोते का कुआं होता है।

एक उमड़ता हुआ कुआं, भाई ब्रन्हम, यह क्या होता है?

यह एक कुआं होता है, यह हमेशा नीचे से ऊपर की ओर पानी का बहाव से उछलता रहता है, यह हर समय बहता रहता है। यह आत्मनिर्भर होता है। हमेशा ताजा और साफ, एक फूटे हुए सोते का कुआं, जीवन जल का सोता। यह ठहरा और मरा हुआ नहीं होता। यह जीवित होता है, यह हमेशा बदलता रहता है, ऊपर की ओर कुछ नया ऊपर की ओर लाता रहता है, चलता रहता है, अपने स्त्रोतों से आता रहता है। वह अपने टिकने वाले स्थान से अपने स्त्रोतों को लेता है जो कि... अब भी जीवन जल का सोता है ऊपर उछलता रहता है स्वयं ही साफ होता है; यह स्वच्छ, शुद्ध, स्वच्छ जल होता है, यह आत्मनिर्भर होता है, आपको वर्षा के लिए प्रतीक्षा नहीं करनी है कि उसके तालाब को भरे। यह हमेशा उफनता रहता है, अपना जल मुक्त देता है। आपको इसे पंप नहीं करना पड़ता, हवा देने के लिए या मरोड़ना या जोड़ना नहीं पड़ता, यह तो केवल जीवन जल का सोता है।

75 आप जानते हैं आप इन पुराने हौदो को लीजिए, आपको इसमें झक, झक और झक और पंप और सब कुछ करना पड़ता है कि उस रुके हुए थोड़े से पानी को बाहर ला सकें।

परंतु जीवित पानी का सोता इसे मुफ्त में बिना पंप, जोड़, या किसी और चीज को देता है। हां श्रीमान! मैं इस सोते के लिए बहुत आनंदित हूं।

76 इसे कपड़े से छानने की कोई आवश्यकता नहीं कि परजीवियो को बाहर निकाले, क्योंकि यह इतनी गहराई से आता है, वहां चट्टान से जहां पर कोई परजीवी नहीं होता।

इसे कोई आवश्यकता नहीं कि शिक्षा के चिथड़े को इस पर लटकाये, यह ठीक बात है मनुष्य द्वारा, बनाए गए कुछ संसारिक रीति रिवाज जो कि मनुष्य द्वारा बनाई गई नामधारी गिरजो की बुद्धिमानी; आपको यह बताने के लिए कि एक मनोवैज्ञानिक के सामने, आप प्रचार करने योग्य है या नहीं। इस पर यह गंदे चिथड़े, लटके हुए नहीं होते हैं, जैसे ही आप इन्हें इस पर डालेंगे यह उन्हें धक्का देकर हटा देगा। आप यह नहीं कर सकते। वह कुआं हर समय ऊपर की ओर उमड़ता रहता है। आप चिथडो में से कुछ इस पर डालेंगे, तो यह उसे इस ओर या उस ओर फेक देगा। इसके पास समय नहीं होता कि अपने ऊपर नामधारी गिरजो के चिथडो को अपने ऊपर रखें।

77 इसे चलनी की कोई आवश्यकता नहीं होती, कोई छानने के कपड़े की किसी पंपिंग की, किसी भटके, किसी चीज की आवश्यकता नहीं होती वह तो केवल ऊपर की ओर उफनता रहता है इसे आसपास की वर्षा के लिए निर्भर नहीं रहना पड़ता कि उसे भरे। *वर्षा* तो "बेदारियां" है, जहां तक सोते की बात है... वह उस जीवन जल के सोते में है। "जहां पर लोथ होगी वहां उकाब इकट्ठे होंगे।" आपको बेदारी को पंप नहीं करना पड़ेगा, आपको कुछ भी पंप नहीं करना पड़ेगा। केवल एक चीज आपको करनी है कि सोते के पास आ जाए, वह हमेशा अच्छे और ताजे जल से भरा रहता है और उसका कोई अंत नहीं। वह तो बुलबुलता उफनता ही रहता है।

78 आपको हौद के पास जाना ही नहीं है और कहे, "अच्छा, अगर वर्षा और खत्ते की छत धोवन हो जाए तो हमारे पास कुछ पीने को होगा।" समझे? ओह! यह नहीं। सब उमड़ने वाला कुआं हमेशा अच्छा ठंडा पानी हमेशा निकालता रहता है। आप इस पर निर्भर रह सकते हैं। आपको यह नहीं कहना होगा, "ठीक है, हम उस पुराने हौद पर जायेंगे हम उसमें से पिया करते थे, परंतु अभी बहुत समय से वर्षा नहीं हुई है, मैं आपको बताता हूं, वह सूख सकता है।"

79 इसी प्रकार से मनुष्य द्वारा बनाए गए रीति–रिवाज है, यदि आपके पास ऐसा कुछ महत्वपूर्ण हो रहा है, तो आप अंदर जा सकते हैं, एक बड़ा कुचक्र कुछ बेचने का या इस प्रकार की कोई और चीज चल रही हो, बड़ी–बड़ी दावते और दूसरी बातें चल रही हो नीचे तहखाने में खेत और दावते और दूसरी चीजें आप स्थान को पूरा भरा हुआ पायेंगे।

परंतु आप वहां जाए जहां सोता सदा उमड़ रहा है, लोग वहां अच्छा ठंडा पीने का पानी पाते हैं, आप उस पर निर्भर कर सकते हैं! कहते हैं, "पिछले दस वर्षों से बेदारी नहीं आई।" यदि आप सोते के पास रहते हैं, उसमें हर समय बेदारी चलती रहती है।

80 जैसा कि उस छोटे वालशमेन ने कहा, या, एक समय जब वालश की बेदारी चल रही थी तो वहां कुछ सम्मानित लोग राज्यों से थे। उन में से कुछ महान दिव्य डाक्टर वाल्स गए यह जानने के लिए कि कहा और क्या, इस सब के विषय में। इसलिए उनकी कमीज के कालर चारो ओर चक्र में घूमे हुए थे, और उनकी विशेष टोपियां, और वे सड़कों पर जा रहे थे।

और वहां एक छोटा पुलिसवाला आता है अपने बर्तन को झुलाता हुआ डंडा उसके हाथ में है और सीटी बजा रहा है, "क्रूस पर जहां मेरा बचाने वाला मरा, मुझे मेरे पापों से धोने को, जिसके लिए मैं रोया, मेरे ह्रदय में लहू लगाया गया उसके नाम की महिमा हो," सड़क पर चलता जा रहा था।

इसलिए उन्होंने कहा, "यह मनुष्य धर्मी सा लगता है, हम उसके पास जाकर पूछेंगे।" और उन्होंने कहा, "श्रीमान!"

बोला, "हां श्रीमान? "

कहा कि, "हम यहा संयुक्त राज्य से आये हैं। हम प्रतिनिधिमंडल है। हम यहां जो वेल्श की बेदारी कहलाती उसका पता लगाने आये हैं। हम ईश्वरत्व में डॉक्टर हैं, और हम यहां देखने आये हैं।" उसने कहा, "हम जानना चाहते हैं, बेदारी कहां और किस जगह हो रही है।"

उसने कहा, "श्रीमान, आप पहुंच चुके, श्रीमान, मैं वेल्श की बेदारी हूं।" आमीन! "वेल्श की बेदारी मुझ में है। यहा जहां वह है।"

81 ऐसे ही होता है जब आप जीवन जल के सोते के पास रहते हैं, वह हर समय जीवित है, वह बाहर को उछलता उछलता रहता है, उसका अंत नहीं होता। यह नहीं कि, "जाओ देखो यदि कुछ पानी, बहुत दिनों से वर्षा नहीं हुई, यहां ऐसा नहीं है।" यह तो वह जीवन जल का सोता है। जैसा कि मैं कहता हूं, वह अपना पानी मुफ्त में देता है।

82 आपको पाने के लिए उस पर छानने का कपड़ा डालना नहीं पड़ेगा; कुछ शिक्षा के चिथड़े ताकि आप उसे प्रचार के लिए भेज सकें और देखें

कि वह अपने शब्द सही तरीके से बोलता है, उच्चारण सही करता है, यदि वह अपने संज्ञा और सर्वनाम और आदि–आदि और विशेषणों को। उनमें से बहुत से यह नहीं जानते कि वे क्या है, परंतु वह सोते के पास रहता है, बस बिलकुल वैसे ही उसी तरह।

83 उसे आसपास की वर्षा पर निर्भर नहीं होना होता है, कि उसे भरे या उसके लिए आसपास की बेदारीयां। उसे यह नहीं करना होता है, क्योंकि उसकी सामर्थ और शुद्धता उसी में है। यह जहां वचन है वह उसकी अपनी सामर्थ है! जब मनुष्य उसे अपने ह्रदय में ग्रहण कर सकता है। उसकी अपनी शुद्धता है। उसकी अपनी सामर्थ है वह वही वचन के अंदर है, जीवन निकलता है।

84 इस्राएल उससे अलग हो सकता है, वह संकट में पड़ जायेंगे। हर बार जब वे उससे अलग होते हैं, वे संकट में पड़ जाते हैं।

वैसे ही जैसे अब हम करते हैं। जब उससे बेदारी अलग होती है, तब वह ठीक नहीं रहता वह स्वयं कोई कुए खोदता है, और या कुछ ठहरे हुए पानी के हौद और वहां वह जाता है।

85 परंतु वह सदा उनकी सहायता करता है। लाल सागर पर बुड़बुड़ाना, तब जब वे बुडाबुडाये... तभी, इस सबके होते हुए भी उसने प्रतिज्ञाये दी, उनसे कुछ प्रतिज्ञाये की जिस प्रकार से हम देखते हैं। उसे उन्हें वापस भेज देना चाहिए; परंतु उसने उनसे वहां पहुंचाने की प्रतिज्ञा की।

उसने क्या किया? उन इस्राएल के बच्चों को उसने आग का खंभा दिया, और चीज उनके भविष्यवक्ता को उन पर सिद्ध करने के लिए और वे उन्हें वहां सागर तक ले गए। और, हमेशा इसके विरुद्ध संकट रहा। और तब फिरौन और उसकी सेना आती है। आप जानते हैं कि परमेश्वर ने क्या किया? उसने बस उस लाल सागर को जो ठहरा हुआ हौद था, खोल दिया।

मृत सागर संसार में सबसे मृत चीज है। वह वास्तव में मृत है, वह ठहरा हुआ है, उसमें कुछ भी जीवित नहीं रह सकता।

और उसने उसे खोल दिया और दूसरे पार उन्हें स्वतंत्र कर दिया। और वह उन्हें वहां ले गया जहां उन्हें ऐसी बातों के बंधन में नहीं रहना था।

86 जंगल में, उन्हें तालाब मिले उन पर निर्भर नहीं रह सकते थे; वे सूखे हुए थे। देखा गया, कि वह पानी के एक गड्ढे से दूसरे गड्ढे घूमते रहे, जब

वे जंगल में थे तो वे पीने के पानी के लिए इतने परेशान थे कि मर जाते वे यहां इस तालाब पर गए होंगे; गड्ढे पर, वह सूखा था। वे दूसरे स्थान पर गए, वह सूखा था वे यह नहीं सोच सकते थे कि उन्हें कभी पीने को पानी मिलेगा।

तब उस असंभव स्थान पर जहां सब बंजर था, उन्हें पानी मिला वह एक चट्टान में था, वह एक चट्टान में था बिल्कुल असंभव से स्थान में जहां मनुष्य को पानी मिले वह एक सुखी चट्टान में होगा रेगिस्तान के बीच में। परंतु, आप देखते हैं कि परमेश्वर ऐसे ही काम करता है। एक असंभव से स्थान में एक अजीब तरह से हमारे साथ यही हुआ है।

87 वे सोचते हैं कि आपके पास बड़े नामधारी गिरजे एक साथ होने चाहिए, उन्हें एक साथ आने दे और चारों ओर एक बड़ी भीड़ हो और आदि–आदि, और सहयोग में हजारों इकट्ठे कर लो और सब *इस* प्रकार से एक बेदारी सभा करो।

कभी–कभी परमेश्वर किसी छोटे से पुराने व्यक्ति को पकड़ लेता है जो कि अपना क ख ग भी नहीं जानता, और उन्ही अनपढ़ लोगों के बीच में जो मुश्किल से अपना सीधा और उल्टा हाथ भी नहीं जानते, वह एक बेदारी आरंभ कर सकता है जो कि संसार को हिला देगी। यह उसने यूहन्ना के समय में किया। यह उसने भविष्यवक्ताओं के समय में किया। जहां तक हम जानते हैं कि उनमें से कोई भी शिक्षित नहीं था, परंतु परमेश्वर उन्हें थामे रह सकता था, और उनके साथ कुछ कर सकता था।

88 इस चट्टान में से पानी बाहर आया वह चट्टान था, और उसने इस चट्टान को आज्ञा दी और उसे मारना था और उसने शुद्ध, ताजे, साफ पानी में के हर एक को बहुतायत दे दिया ताकि वह पी सके, जो कोई भी उससे पीयेगा उसने सब को बचा लिया। यूहन्ना 3:16 के ठीक समांतर।

> *... परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया... जो कोई भी उस* पर *विश्वास करें वह नाश ना हो, परंतु अनंत जीवन पायेगा।*

89 परमेश्वर ने कलवरी पर चट्टान को मारा, हमारा न्याय उस पर था, ताकि उसमें से जीवन की आत्मा आये, वह आपको और मुझ को अनंत जीवन दे। वहां जंगल में वह इसका सिद्ध दृष्टांत था।

90 उन्होंने कभी भी खींचना, खोदना, पंप करना या ऐसा कुछ नहीं किया केवल उसके द्वारा दिए गए मुक्त के मार्ग में हिस्सेदार थे। जबकि उन्हें इस गड्ढे में से नहीं खोदना पड़ा, उन्हें बाल्टी से नहीं खींचना पड़ा। उन्हें उसके लिए ढेकती नहीं चलनी पड़ी। उन्हें केवल उसमे सहभागी होना था।

अब यह सब कुछ वहां था। आपको किसी का सदस्य नहीं बनना। आपको वहां ऑल्टर पर नहीं जाना है और कुछ करके उसे पंप नहीं करना है। आपको कोई वचन बार–बार नहीं कहना है कि भाषा में श्रमिक हो जाए, आपको केवल एक कार्य करना है कि आप उसके साथ सहभागी बन जाए, मुफ्त में परमेश्वर के दिए गए मार्ग से। कोई पंप नहीं, कोई धक्का नहीं, कुछ नहीं; बस इससे मुक्त प्राप्त करो, आपको कुछ नहीं करना बस उसका सहभागी होना है। यह केवल विश्वास करना है। बस मैं यह कह सकता हूं।

उन्हें उसके लिए कुछ नहीं करना है। इसके लिए कभी खोजना नहीं है। उन्हें नीचे बैठ कर, और इसके लिए सारी रात चिल्लाना नहीं है। वे केवल इसके सहभागी बने, वह मारा गया था और तैयार। यह ठीक बात है।

91 अब मैं यहा एक व्यक्ति को देख रहा हूं जो वहां पीछे कमरे में बैठा है, मुझे याद है, एक दिन मैंने उसे बताया था उस पुराने खलियान के विषय में, जो गौशाला के पास था।

और उसने कहा, "परंतु मैं तो अच्छा नहीं हूं।"

92 मैंने कहा, "मैं जानता हूं कि तुम नहीं हो।" और मैंने कहा, "ना ही मैं हूं।" परंतु मैंने कहा आप वह देख रहे हैं जो आप हैं, आप क्या हो यह देखना बंद करो, और देखिए कि वह क्या है।

उसने कहा, "यदि मैं यह सिगरेट छोड़ सकूं, भाई ब्रन्हम, मैं—मैं—मैं मसीही हो जाऊंगा।"

93 मैंने कहा, "उसे मत छोड़ो। आप अच्छा बनने की कोशिश कर रहे हैं, और तब आप उसके पास आयेंगे। वह कभी भी अच्छे व्यक्ति को बताने नहीं आया; वह बुरे व्यक्ति को बचाने आया जो यह जानते हैं कि वे बुरे थे।"

उसने कहा, "ठीक है... "

मैंने कहा, "आप नरक में नहीं जाना चाहते, चाहते हो क्या? "

उसने कहा, "नहीं।"

94 मैंने कहा, "अच्छा है, आपको चाहना भी नहीं चाहिए, वह मरा ताकि आप ना जाए।"

उसने कहा, "मुझे क्या करना है? "

मैंने कहा, "कुछ नहीं यह बहुत सरल है।"

उसने कहा, "यदि मैं कभी कर सका... "

95 मैंने कहा, "यहां, तुम फिर से धुम्रपान करोगे सिगरेट के विषय में सोचना छोड़ दो, केवल याद कीजिए, उसके विषय में सोचिए, उसने आपके लिए क्या किया, वह क्या है; ना कि आप क्या है। आप अच्छे नहीं हैं; और आप कभी भी नहीं थे, और कभी ना होंगे। परंतु, वह क्या है, वही एक है!" और मैंने कहा, "अब, आपको केवल एक काम करना है; यदि वह आपका स्थान ले ले आप इच्छा से उसे ग्रहण करना कि उसने क्या किया केवल एक चीज आपको करनी है केवल उसे ग्रहण करें।"

"क्यों," उसने कहा, "यह सरल है, मैं यह करूंगा।"

96 मैंने कहा, "यहां गड्ढा है," समझे? मैं उसे यहां लाया और उसे यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दे दिया।

उसके कुछ लोग यहां बैठे हैं, और मैं—मैं जानता हूं कि उन्हें अजीब सा लगा कि मैं यह क्या कर रहा हूं, परंतु मैं जानता था कि मैं क्या कर रहा था। मैंने उस मनुष्य में कुछ देखा जो शुद्धता थी। मैं उसमें देख सकता था, मैंने उसे लिया और प्रभु यीशु के नाम में बपतिस्मा दे दिया।

और, जब मैंने यह कर दिया, उसके बहुत समय बाद नहीं, जब मैं उसके पुत्र के घर पर गया था। हमने एक—एक दर्शन देखा था, एक पेड़ जो निश्चित स्थान से टूट गया और मनुष्य गिर पड़ा, उसकी कमर लगभग टूट गई थी। उसको अस्पताल ले गए। और उस रात प्रभु ने मुझे दर्शाया कि यह सिगरेट का अंत है।

इस प्रकार अगले दिन वह कुछ सिगरेट चाहता था। मैंने कहा, "मैं उसके लिए डिब्बा खरीदूंगा और उसके पास ले गया, आप थोड़ा ध्यान दे और देखें, उसके सिगरेट के दिन चले गए।" उसने तब से कभी नहीं पी और तब से एक की भी इच्छा नहीं हुई। परमेश्वर!

97 देखिए, पहली चीज जो आपको करनी है कि उस सोते के पास आ जाए। आपको उस जल के पास आना ही है, और महसूस करना है कि

आप कुछ नहीं कर सकते है यह वह है, जो वह आपके लिए कर चुका। आपको खोदना नहीं है; आपको पंप नहीं करना आपको *यह* छोड़ना नहीं है; आपको *वह* छोड़ना नहीं है। केवल एक चीज जो आपको करनी है वहां जाए और पीये। बस। यदि आप प्यासे है, तो पीये!

98 अब, वह चट्टान था। परमेश्वर ने उसको हमारे लिए मारा, और उसने शुद्ध निर्मल जल बहुतायत से दिया। वह आज भी करता है, हर एक के लिए जो विश्वास करेगा। यह आपका उसका अनुग्रह है सही में उसके लोगों के लिए, हमारे लिए।

99 कुछ ऐसी चीज वहां है, जैसे कि आज के लोग, जो भी वह ले सकते हैं उसके लिए तैयार है, परंतु बदले में कोई सेवा नहीं करना चाहते, इस्राएल चट्टान से पीने के लिए तैयार था, परंतु परमेश्वर की सेवा उसके भाग में आती थी वे नहीं करना चाहते।

100 और वह सदा हमारी सेवा करता है। आप जानते हैं, कि हम उसके बिना सांस भी नहीं ले सकते। परमेश्वर की बिना सेवा के हम सांस भी नहीं ले सकते। और इस तरह हम उस पर निर्भर करते हैं। तभी भी, वह हमें लगभग दो हिस्सों में तोड़ देता है यदि हम करने का यत्न करते हैं, कुछ उसके लिए करना चाहिए, उसने हमसे कुछ करने के लिए कहा है, जाओ किसी को देखो, जाओ किसी के लिए प्रार्थना करो, किसी कि सहायता करो, यह हमें लगभग तोड़ देता है, यह करने के लिए। परंतु हम उसके लिए कुछ भी नहीं करना चाहते, उसकी सेवा में।

101 उसकी शिकायत थी, "उन्होंने मुझे छोड़ दिया है, वचन को; और बजाये उसके बजाये इसके टूटे हौद अपना लिए है। ग्रहण... उन्होंने मुझे छोड़ दिया है, जीवन के सोते को जीवन जल के सोते को; और उन्होंने उस ठहरे पानी के हौद से पीने की इच्छा की।" क्या आप यह कल्पना कर सकते हैं?

102 क्या आप एक व्यक्ति की कल्पना कर सकते हैं कि, *यहां* पर सोते से फूटने वाला कुआं है और चकमक के पत्थर वाला पानी निकाल रहा है, सीधे चट्टान ह्रदय से वहां रेत के किनारे पर और वगैरा–वगैरा और इतना ठंडा और अच्छा जितना हो सकता है, और फिर भी वह हौद से पीये, जिसमें खत्ते की छत्तो का और चारो ओर कि इमारत का पानी घुल कर आता हो? और सीधा हौद में जमा हो, जहां पर पानी के बहाव की

सीलन उस खत्ते में और घुड़साल और कोठरियो और हर चीज से बह कर वापस हौद में आये और हम चाहे... कि उसमे से पीये इससे पहले कि सोते वाले के पास जाए? तो उस मनुष्य के मस्तिष्क में कोई गड़बड़ी है। यह ठीक बात है।

103 जब पुरुष या स्त्री नामधारी गिरजे को अपना आधार बना लेते हैं तब वे बाल कटाने, छोटे कपड़े पहनने, श्रृंगार और इन सब चीजों की अनुमति देते हैं, और कुछ इस तरह के छोटे–छोटे कार्यक्रम, और यह सब चलता है, तरह के गेंदों के और संगमरमर के टुकड़ों के खेल और—और सब तरह की निर्थक बातें और वे उन चीजों में रहते हैं, और इस प्रकार से कि वे इससे अच्छा करें, परमेश्वर का पुराना वचन जो कि काटता और छांटता है, और उन स्त्रियों में से सभ्य महिलाये बनाता है, और उन्हे लेकर सही वस्त्र और सही व्यवहार में लाता है, और आप में से सिगरेट, तंबाकू, शपथ खाना कोसना और झूठ बोलना और चोरी करना निकाल बाहर करता है, और सारा संसार आप में से दूर कर देता है, और आपको कुछ देता है जो कि सिद्ध संतोष देता है। क्यों यह पुरुष या स्त्री इसी चीजों के लिए जाते हैं, केवल आराम के लिए? उसमें आपको आराम कैसे मिल सकता है?

104 आप ठहरे हुए हौद से ताज पानी पीने के लिए कैसे प्राप्त कर सकते हैं? वह क्यों वह व्यक्ति... यदि एक व्यक्ति ठहरे हुए हौद के पास जाता है कि पीने के लिए पानी ले जब कि ताजा सोते वाला कुआं खुला है, आप कहेंगे कि, "इस मनुष्य के मष्तिक में कोई गड़बड़ी है।"

और यदि कोई स्त्री या पुरुष ऐसे स्थान पर आराम ढूंढने के लिए जाता है, तो उस व्यक्ति में आत्मिक तौर पर कुछ गड़बड़ी है। वे वचन नहीं चाहते। यह इस बात को प्रदर्शित करता है कि उनका स्वभाव अब तक मेंढक या बैगची या ऐसा ही कुछ है, यह ठीक बात है, उस स्वभाव में कुछ ऐसा है, जो ठहरे तालाब को पसंद करता है क्योंकि इस प्रकार की चीजें ताजे पानी के तालाब में नहीं रहेगी। वे नहीं चल सकते; यह ताजा पानी है। वे नहीं चल सकते।

105 अब शिकायत यह थी कि, "वे छोड़ गए।" और आज भी उन्होंने यही किया।

अब उस स्त्री को देखे जो कुवें पर थी। ठीक है, वह याकूब के कुए हौद, पर आई थी, और वह सदा याकूब के हौद से पानी लिया करती थी।

परंतु याकूब का हौद, हम उसे नामधारी गिरजे कहेंगे, क्योंकि उसने तीन में से एक यह खोदा था, यह वाला उसने खोदा था उसकी लंबी कहानी थी। उसने कहा, "हमारे पिता याकूब ने यहां कुआं खोदा, उसने इस में से पिया, और उसके पशुओं ने इसमें से पिया और वगैरा–वगैरा। क्या यह बहुत अच्छा नहीं है? "

106 उसने कहा, "परंतु जो पानी तुम इसमें से लेते हो, तुम फिर प्यासे हो जाते हो, इसे लेने के लिए यहां आना पड़ता है, परंतु," कहा, "जो पानी मैं तुम्हें देता हूं, वह एक सोता है, एक झरना उबलता हुआ अंदर से ऊपर आता है, और लेने के लिए तुम्हें यहां नहीं आना होता है। यह तुम्हारे ही पास है।"

107 ध्यान दे। परंतु जब उसने पाया कि वचन का सोता उससे बोला, वचन के चिन्ह के साथ जिनकी की वह राह देख रही थी, उसने याकूब का नामधारी गिरजे की प्रणाली छोड़ दे और फिर दोबारा वहां नहीं गई क्योंकि उसने वास्तविक चट्टान पा ली थी। समझे? वह नगर को दौड़ गई। वह पाप से पार हो गई थी, वह अब गलत स्त्री नहीं थी। उसने कहा, "आओ देखो, मैंने किस मनुष्य को पाया है, जिसने मुझे वह सब जो मैंने किया बता दिया, क्या यही तो वह मसीह नहीं है? " वह... वह हौद ठीक हो सकता है, उसने उसका उद्देश्य पूरा किया था। अब वह सच्चे सोते के पास थी हौद तब तक ठीक था, जब तक कि सच्चा सोता नहीं खुला था। परंतु जब सच्चा सोता आ गया, तो हौद की सामर्थ जाती रही उसे पीने के लिए पहले से अच्छा स्थान मिल गया।

108 और वह अच्छा स्थान था। वहां एक अच्छा स्थान है, और वह मसीह है, यूहन्ना 7:37 और 38 में यीशु ने कहा, मंदिर के पर्व के अंतिम दिन, "यदि कोई मनुष्य प्यासा हो, वह मेरे पास आये, और पीये।"

वे सब आनंद मना रहे थे। उनके पास वेदी के नीचे थोड़ा सा पानी फूट कर आ रहा था, और—और उस आनंद में वे सब उसमें से पी रहे थे, पर्व के आनंद। और कहा, "हमारे पूर्वजों ने आत्मिक चट्टान से जंगल में पिया।" देखिये, उन्होंने अपने लिए हौद खोद लिए थे कहीं से, वे ठहरा हुआ पानी पंप चला कर, ले आये थे, और वह मंदिर में नीचे से निकल रहा था और वे सब इस पानी के चारों ओर घिर जाते और पीते, और कहते, "वर्षो पहले हमारे पूर्वजों ने जंगल में पिया।"

यीशु ने कहा, "मैं वह चट्टान हूं, जो जंगल में था।"

कहा, "हमने आकाश से मन्ना खाया, और परमेश्वर ने उसे बरसाया।"

109 कहा, "मैं वह मन्ना हूं।" वह, वह सोता था, जो उनके बीच में खड़ा था जीवन की रोटी उनके बीच में खड़ी थी।

और तब भी वे उसे नहीं चाहते थे। उनके पास अपने हौद थे; क्योंकि, मनुष्य ने *इसे* बनाया था, और परमेश्वर ने *यह* भेजा था। बिल्कुल यही भिन्नता है। स्वयं हौद खोदे!

110 उसने कहा "यदि कोई मनुष्य प्यासा हो वह मेरे पास आये और पीये।" वह वही सोता है।

और वचन ने कहा, "उसके पेट में से जीवन जल की नदियां बह निकलेगी।" ओह, वह वही सोते से फूटा हुआ कुआं है! "उसके पेट से, या सबसे अंदर वाले जीव से, जीवन जल की नदियां बह निकलेगी।"

111 वह, वह चट्टान है, जो... जो हाजरा का चट्टान है, उस संकट के समय जब उसका छोटा बच्चा मरने पर था; जब उसे पड़ाव से बाहर निकाल दिया था, और उसे छोटे इस्माईल के साथ बाहर निकाल दिया था। उसका पानी, जो उसके हौद में जिरने उसने अपने साथ रख रखा था, समाप्त हो गया था, और उसने छोटे इस्माईल को जमीन पर रख दिया, और तीर के एक टप्पे भर गई और रोई और ओह! क्योंकि वह बालक से मरते हुए नहीं देखना चाहती थी। और तब एकदम प्रभु का दूत बोला, और उसने बर शेबा... पाया, वहां एक कुआं जो बह रहा था और आज भी बह रहा है। वह हजीरा का बरशेबा की चट्टान जंगल में था।

112 वह उस दिन वहां लहू से भरे हुए सोते में खड़ा था, वहां मंदिर में खड़ा था। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... तूफान के समय। जकर्याह के तेरह, वे अध्याय में वह, वह सोता था जो दाऊद के घराने में फूटा था, धो देने के लिए पापों को धोने के लिए। वह, वह सोता था। और भजन संहिता 36:9 में, वह दाऊद के जीवन का सोता था। वह अब भी दाऊद के घराने का वही सोता है।

और वह कवि का भी है। वहां उसके हृदय में। कवि ने कहा:

एक सोता है जो लहू से भरा है,
जो इम्मेनुएल की नसों से बहता है,
जब पापी लहू के नीचे डूब जाए,
उनके सारे अपराधों के दाग धो देता है।

वह, वह जीवन का सोता है। पानी का सोता है। वह परमेश्वर का वचन है।

113 इन अंत के दिनों के लोगों ने उसे छोड़ दिया है, सच्चा वचन। जीवन का जल; और अपने लिए नामधारी गिरजो के हौद खोद लिए हैं; और फिर काटा और खोदा!

114 और अब हम पाते हैं कि उनके पास टूटे हौद है। और यह हौद अविश्वास के कीटाणुओ से भरा है, अविश्वास शेखी, शिक्षा के कार्यक्रमों और वगैरा–वगैरा जो कि परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं के विपरीत है। वे वचन के शंका करने वाले हैं।

115 अब, यह हौद जो उनके पास है, बाइबल कहती है, "टूटे हुए थे।" *टूटा* हुआ हौद चूने वाला हौद है। और यह रिस रहा है। यह क्या कर रहा है? और यह धार्मिक नामदान जो कि विश्व गिरजो की परिषद कहलाती है, उसमें रिस रहा है। और यही उन्हें इस टूटे हौद की ओर ले जा रहा है, यह सब क्योंकि उन्होंने उसे छोड़ दिया और उस जीवन जल के सोते को, और... यह हौद बना लिए हैं।

116 सीखने, शिक्षा देने और वगैरा–वगैरा के धार्मिक शिक्षा के विद्यालयों कि प्रणालियां खोद ली है। आज यह इस प्रकार के हौद खोद रहे हैं कि मनुष्य को पीएच.डी., या एलएल.डी., या कला स्नातक या कुछ होना ही चाहिए, इससे पहले कि वह प्रचार के लिए जाए। हौद जो मनुष्य द्वारा बनाए गए धार्मिक ज्ञान से भरे हुए हैं। वे उन्हें इन महान बड़े विद्यालयो में सिखाने के लिए ले जाते हैं और वहा पर वे उन में मनुष्य द्वारा बनाई गई, अपनी धार्मिकता घुसा देते हैं और उसी के साथ उन्हें बाहर भेज देते हैं। कैसे दिन है जिनमें हम रह रहे हैं, मनुष्य द्वारा बनाए हुए हौद! कोई परेशानी नहीं... कोई आश्चर्य नहीं की चीजें सड़ गई है, ओह! इसलिए क्योंकि लोग उसमे से पीते है।

117 और जब आज लोग आनंद मनाना चाहते हैं, तो वे क्या करते हैं? लोग बजाये इसके कि प्रभु के आनंद को अस्वीकार करें, आनंद के लिए

पाप में चले जाते हैं। लोग जो गिरजे जाते है, और मसीह के दास होना का दाव करते हैं, जब वह वास्तव में परेशान होते हैं, तो वे सिगरेट जला लेंगे। और जब वे—जब वे हंसी खेल करना चाहते हैं, वे अपने अनैतिकता वाले कपड़े पहने हुए बाहर जाकर घास काटने लगते हैं, जो कोई मनुष्य पास से निकलता है वह उन पर सिटी बजाता है। लोकप्रिय होने के लिए वे सब कुछ करते हैं। वे सिने सितारों की तरह दिखना चाहते हैं। यह उनका आनंद है।

जब, यीशु ने कहा, "मैं ही उनकी भरपुरी हूं।"

जिस कारण वे वहां जाना चाहते हैं, क्योंकि वे उस सोते से पीना नहीं चाहते। उन्होंने उसे त्याग दिया है। वे उससे नहीं पीना चाहते। उन्होंने मनुष्यो द्वारा बनाए रीति–रिवाजों से अपने को जोड़ लिया है, एक प्रकार का हौद जो कि ठहरे हुए पानी की चीजों से भरा हुआ है, ताकि वे उसी प्रकार चल सके।

118 कल, वहां नदी पर हमारे बालक थे। मैं विश्वास करता हूं कि वह शनिवार प्रात: थी। हम वहां गए; बिली नाव पर से मछली पकड़ रहा था। और हम बालकों को वहां ले गए, मेरा छोटा पोता और वे, मेरी पुत्री और मेरा छोटा लड़का और हम सब वहां नाव की सवारी के लिए गए। आप नाव में सवारी तक नहीं कर सकते, वहां नदी पर, क्योंकि मैले, गन्दे हल्के लोग वहां नदी पर आधे नंगे और चल रहे हैं। एक नाव हमारे पास से होकर निकली 12, 14 वर्ष के लड़कों का झुंड हर एक के हाथ में बियर का डिब्बा और सिगरेट। वे उसे "आनंद मनाना कहते हैं।" ओह! यह संसार कब तक चलेगा, इस प्रकार के रिवाजों में, जैसे यह है?

119 कि अपने आप को विचारों से अलग कर ले, ताकि सब वे मरते हैं, वे नरक में जायेंगे, वे जो यह करते हैं वे जाकर मनुष्य द्वारा बनाए गए हौदो में मिल जाते हैं। इसलिए हौदो में एक ही प्रकार के लोग होते हैं। यह कुछ नहीं केवल अशुद्ध गंदे से गंदे हिलने वाली पूछे, इस संसार के हैं। और अपने को इन से जोड़े रखते हैं क्योंकि जैसे मेरी बूढ़ी मां कहा करती थी, "एक से पंखों की चिड़ियाये एक संग रहती है।" वे सोते के पास नहीं आयेंगे और उस पाप भरे जीवन से साफ हो जाए। वे वही जीना चाहते हैं, और फिर भी यही गवाही रखते हैं कि वे मसीही है। क्यों? वे उससे फिर गए आनंद का सच्चा सोता, जीवन, सिद्ध जीवन और संतोष यही कारण है कि उन्होंने

यह किया, क्योंकि वे वहा मिलना चाहते थे। वहां कुछ इस प्रकार के लोग हैं, वे ऐसी बातों में विश्वास करते हैं।

120 अभी अधिक समय नहीं हुआ, भाई फ्रेड, और मैं और भाई टोम हमारा झुंड टयूसान के एक जाने–माने बैपटिस्ट गिरजे में गया, यह देखने के लिए यदि हमें थोड़ा सा कुछ मिल सके हो सकता है थोड़ा ताजगी का अनुभव। और सेवक ने मिस्र के लोगों के विषय में कुछ, और कहा, जब वे निकले तो वे लहसुन खा रहे थे, और कहा, "आज के लोगों की तरह है।"

और हम में से, हर एक ने, "आमीन!" कहा मैंने ऐसा झुंड कभी नहीं देखा सारे गिरजे ने प्रचारक पर से आंख हटाकर पीछे मुड़ कर देखा, यह कौन था जिसने "आमीन," कहा। इस प्रकार से डर गए जिसे मृत्यु से। वे नहीं जानते कि यह क्या था।

जब, दाऊद ने कहा, "प्रभु के लिए आनंद से चिल्लाओ। विणा पर उसकी महिमा करो! भजन संग्रह से उसकी महिमा करो! हर वह चीज जिसमें श्वास है प्रभु की प्रशंसा करें। और तुम प्रभु की प्रशंसा करो।" परमेश्वर अपने लोगों में आनंदित है। उन विद्वानों को "आमीन," कहने दो, जब कभी यही बात कही जाये।

121 क्यों नहीं संसार के इन रीति–रिवाजों और हौदो से फिर कर परमेश्वर की निष्ठापूर्ण प्रणाली की ओर फिर जाओ, जो कि सोते से फूटा हुआ कुआं है, यीशु मसीह? आप क्यों नहीं उसकी और फिर जाते, जहां कि परमेश्वर हमारे आनंद की भरपुरी है, हमारी भरपुरी का स्त्रोत महिलाओं में है, हमारी भरपुरी का स्त्रोत संतोष में है? मेरे विवेक की शान्ति परमेश्वर से आती है।

जब मैं टूट गया, मैंने अपना संतोष मसीह में पाया, सिगरेट में नहीं, संसार की चीजों में नहीं, किसी धार्मिक मत में मिलने से नहीं; परंतु उसे पाने में, उन प्रतिज्ञा के वचनों में जो उसने कहे, "यदि मैं दूर चला जाऊं, मैं फिर से तुम्हें लेने आऊंगा।" मैं उसमें अपना आनंद पाता हूं। वह मेरा आनंद है।

122 वे आज कहते हैं, इन चीजों के साथ जुड़ जाने से और इस गिरजे के विश्व परिषद बनाने से वीरानी के लिए अच्छा स्थान बना लेंगे। मेरे ईमानदारी के विचार से वे पाप करने के लिए अच्छा स्थान बना रहे हैं, यहां बस जो भी

हो... सारा मामला पाप है उसमें रहने के लिए नहीं उसमें मरने के लिए, उस स्थान को पाप करने के लिए बना रहे हैं, बजाय उसमें जीने की।

123 कोई भी चीज, जो यीशु मसीह और उसके जीवन भरे शब्द से अलग है वह टूटा हौद है। कोई भी चीज जो इसका स्थान लेने का यत्न करें; कोई भी चीज जो आप शांति पाने के लिए करते हैं, कोई भी चीज जो आप करने का यत्न करते हैं कि आपको आराम मिले किसी भी प्रकार का आनंद जो आप किसी और चीज से प्राप्त करते हैं, उसके बदले में, वह गंदगी से भरा हुआ टूटा हौद है। वह सिद्ध संतोष देता है।

124 मुझे याद है कुछ गर्मियों पहले, मैं पिछले दरवाजे से बाहर निकला। वहां पर एक युवा आवारा सा लड़का बाहर था, उसने मुझ से कहा, "आप जानते है कि आप हमेशा क्यों स्त्रियों के छोटे पहनावे और चीजों के विषय में बात करते हैं," उसने कहा, "क्योंकि आप एक बूढ़े मनुष्य है, इसका यही कारण है।"

मैंने कहा, "इधर देखो, तुम्हारी क्या आयु है? "

बोला, "सत्ताईस।"

125 मैंने कहा, "जब मैं तुम से कई वर्ष छोटा था, मैंने यही चीज प्रचार की।"

मैंने संतोष का सोते को पा लिया, वह मेरा भाग है। आमीन! जब तक वह यह प्रदान करता है, यह उसकी सुंदरता है। वह—वह मेरा... वह मेरी कला है, मैं उसकी ओर देखता रहूं, उसके हाथों के कार्यों को देखता रहूं और देखूं कि वह क्या कर रहा है। ऐसा कोई और दूसरा सोता नहीं, जिसे मैं जानता हूं!

ओह, कीमती है वह बहाव
जिसने मुझे बर्फ सा संदेश सफेद बना दिया,
मैं किसी और सोते को नहीं जानता
कोई नहीं, केवल यीशु का लहू

एक सोता है जो लहू से भरा है,
इम्मेनुएल की नसों से बहता है
जहा पापी लहू के नीचे डूब जाते हैं,
अपने सारे अपराधों के दाग साफ हो जाते हैं

126 मैं आपको बता रहा हूं, उस सोते को छोड़, मैं किसी और सोते को नहीं जानता, जब मैं गंदा था तो इसने मुझे साफ किया वह मुझे साफ रखता है, क्योंकि मैं उसके पास रहना चाहता हूं इसका ताजा जल पीता हूं, जो मेरे प्राण को आनंद से भर देता है।

मैं बहुत ही नीचे जा सकता हूं और अनुभव करता हूं कि अब मैं मुश्किल से फिर उभर पाऊंगा... मैं कहीं और नहीं जा सकता; तब मैं घुटनों के बल हो जाता हूं और अपनी उंगली उसकी प्रतिज्ञा पर रखता हूं और कहता हूं, "प्रभु परमेश्वर तू मेरा बल है। तू मेरा संतोष है। तू ही मेरा सब कुछ है।" मैं महसूस कर सकता हूं कि कुछ मुझ में से अंदर से बाहर को बह रहा है। मैं उससे बाहर आ जाता हूं।

127 जैसे कि मैं 50 वर्ष का हो गया हूं, मैं प्रात: उठ जाता हूं आप जानते हैं यह कैसा होता है आप अपना एक पैर कठिनता से, पलंग से एक फुट बाहर निकालेंगे ओह आप कठिनता से इसे कर पाते हैं; और कोई द्वार पर खटखटा रहा है, या बिली मुझे बता रहा है कहीं पर कोई आकस्मिक संकट है, मुझे जाना होता है। और मैं सोचता हूं, "मैं यह कैसे कर सकता हूं? " एक पैर बाहर निकालने का यत्न करता हूं।

मैं सोचता हूं, "तू मेरा सोता है जो मेरी शक्ति से भरा है। आमीन! मेरी सामर्थ और मेरी सहायता प्रभु की ओर से आती है। तू मेरा उफनने वाला कुआं है, तू मेरा बल है, 'वे जो प्रभु की प्रतीक्षा करते हैं, वे अपनी सामर्थ फिर से प्राप्त करते हैं; उनके उकाब के से मजबूत पंख लगेंगे, वे दौड़ेगे तो सही, थकेगे नहीं, वे चलेंगे और मूर्छित ना होंगे।' प्रभु परमेश्वर यह मेरा कर्तव्य है, जब मैं अपने कार्य पर बुलाया जाऊं, तो मैं जाऊं।" और पहली चीज आप जानते हैं, कोई चीज मुझ में से उमड़ने लगती है।

128 उस दिन, उस छोटे से स्थान पर मेरी यहां टोपिको कंसोस में सभा थी; वहां एक लड़का था यह युवा प्रचारक, मेरा पहले जिम्मेदारों में से एक भाई रोए यहां बैठे हैं, वह जगह याद है। इस स्थान में, इस महान स्थान में वहां एक सेवक जो छत या जगह के नीचे था बराबर की दीवार ने गिर कर, उसे नीचे दबा दिया था। वह छोटा व्यक्ति मरने पर था। उसका कलेजा फट गया था। उसकी तिल्ली अपने स्थान से हट गई थी। टनों वजन उस पर गिरा था।

129 मैं नाश्ते पर बैठा हूआ पत्नी से बात कर रहा था, मैंने कहा, "पत्नी, आप जानती हैं, यदि यीशु यहां होता तो वह क्या करता?" मैंने कहा, "जब उसने मेरा जिम्मा लिया तो, 'मैंने उसके वचन का विश्वास किया,' वह मसीह कि जिम्मेदारी ले रहा था।" और मैंने कहा, "यह शैतान की चालाकी है।" मैंने कहा, "यदि यीशु यहां होता तो, वह जाता और अपने पवित्र हाथ उस पर रखता। वह लड़का चंगा हो जाता। क्योंकि मैं चिंता नहीं करता, यदि उसका कलेजा फट गया था। यीशु बिल्कुल सही जानते हुए वहां जाता कि वह कौन था। वह अपनी बुलाहट को जानता था, वचन ठीक था, उसमे प्रमाणित कर रहा था कि वह जानता था कि वह कौन है और नहीं... और शंका कि जरा सी भी छाया नहीं। वह अपने हाथों को उस पर रखता, और कहता, 'पुत्र चंगा हो जा,' वहां से चला जाता।" और मैंने कहा, कि, "नर्क में इतने शैतान नहीं है कि तब उस लड़के को मार देते।" मैंने कहा, "वहां चंगा हो जाता।" परंतु मैंने कहा, "तुम देखो प्रिय वह यीशु था, परमेश्वर के पवित्र हाथ।"

मैंने कहा, "मैं पापी हूं, मेरा जन्म लैंगिक जन्म से हुआ है। मेरे पिता और माता दोनों पापी थे। और मैं बेकार कुछ नहीं था।"

और मैंने कहा, "परंतु तुम जानती हो क्या? यदि प्रभु मुझे दर्शन देगा और मुझे वहां भेजेगा, तब यह एक भिन्न बात होगी।" मैंने कहा, "मैं जाऊंगा और अपने हाथों को उस पर रखुंगा, वह अपनी उस चारपाई से उठ जायेगा, यदि वह मुझे दर्शन देना है।"

130 तब मुझे यह सोचना पड़ा, "आखिरकार, यदि यह दर्शन था, तो यह क्या था? वे वही गंदे हाथ उस पर थे, ओह, हो, वही व्यक्ति उसके लिए प्रार्थना कर रहा है, वही गंदे हाथ।"

तब मैंने यह सोचना आरंभ किया, "मैं उसका प्रतिनिधि हूं। तब परमेश्वर मुझे नहीं देखता। उस धर्मी का लहू उस वेदी पर रखा है, और वह मेरे लिए बिचवाई करता है। वह मेरी भरपुरी है। वह मेरी प्रार्थना है। वह मेरा जीवन है।" और मैंने कहा, "केवल एक चीज जो मेरे हाथों को उस पर रखवाली है, वह विश्वास के साथ, क्योंकि दर्शन में मैं विश्वास करता हूं। और बगैर दर्शन के वही विश्वास वही चीज करेगा; इसलिए मैं अपने पर भरोसा नहीं कर सकता, परंतु उस पर जो मेरा सब कुछ है वह मेरा जीवन है, वह मेरे भाग की सर्वोच्च शक्ति है, मुझे किसी नामधारी गिरजे ने नहीं

भेजा, उसने मुझे भेजा है। हाल्लेलुय्या! मैं उसके नाम में जाता हूं। मैं हाथों को उस पर रखुंगा।" वहां गया और उस लड़के पर हाथ रखे और उस रात्रि वह सभा में था, मजबूत बढ़िया। आमीन!

131 ओह, हां, वह, वही सोता है। "मैं दूसरे सोते को नहीं जानता। कुछ नहीं सिवाए यीशु के लहू के!" मैं दुर्गंध वाला हूं, मैं स्वधर्म त्यागी हूं, हम में से प्रत्येक परंतु परमेश्वर के सम्मुख हम सिद्ध है। यी... "इसलिए तुम भी सिद्ध बनो, जैसे कि तुम्हारा पिता जो स्वर्ग में है सिद्ध है।" आप कैसे हो सकते हैं? क्योंकि एक सिद्ध जो हमारा प्रतिनिधित्व करता है, वहां है वह सोता वहां प्रति दिन, ताजा है कोई ऐसी रुकी हुई चीज नहीं, परंतु हर दिन ताजा, जो मेरे सारे पापों को धो देता है। वह, वह सोता है।

132 अब बंद करते हुए, मैं यह कह सकता हूं। कोई भी चीज जो इससे भिन्न है, वह टूटे हुए हौद है और अंत में यू जायेंगे जो कुछ भी आपने उसमें रखा है, यदि आपने अपनी सारी आशाएं रखी है, सारा समय, और हर चीज उन ठहरे पानी के हौदो में। यीशु ने कहा वे टूटे हुए हौद थे। परमेश्वर ने कहा, "वे टूटे हुए हैं, और जो भी आप उसमें रखेंगे वह रिस जायेंगे।" आप उनके साथ अधिक आगे नहीं चल सकते क्योंकि वे चू जायेंगे। क्योंकि सत्य के लिए केवल वही एक मार्ग है, जीवन के लिए और अनंत आनंद के लिए, और अनंत शांति के लिए। वही केवल एक है और इसका केवल एक मार्ग है। ओह!

133 ना चुकने वाला जीवन का सोता, यीशु मसीह है। क्यों? और वह कौन है, वचन, ना बदलने वाला वह वचन, वह जीवन, वह सोता, "कल, आज और सदा तक एक सा है।" एक सच्चा विश्वासी, वह इसका सर्वोच्च आनंद है, उसका सर्वोच्च जीवन। और उसका सर्वोच्च संतोष मसीह में है। कोई हवा नहीं भरनी, कोई खींचतान नहीं, कोई सदस्यता नहीं, कोई जमानत नहीं; केवल विश्वास करना और आराम करना विश्वास करने वाले के लिए वह यही है।

134 पिता इब्राहिम की तरह; उसने कभी खींचातान नहीं की, वह कभी चिढ़ा नहीं उसने कभी चिन्ता नहीं की। उसके पास वचन था। वह एल शदाई की छाती पर निर्भर रहा। जब इब्राहिम सौ वर्ष का बूढ़ा था। परमेश्वर ने उसे दर्शन दिया और कहा, "मैं सर्वशक्तिमान हूं।" इब्रानी में शब्द *एल शेदाई* है, जिसका अर्थ है, "छाती वाला।" "और आप बूढ़े हैं, और आपकी शक्ति

समाप्त हो गई है, परंतु केवल मेरी छाती से लग जा और मेरी शक्ति की देखभाल इस सोते से करूंगा।" आमीन! उसने स्वयं की देखभाल कैसे की? एक नई देह। उसके सारा के द्वारा बालक उत्पन्न हुआ और पचास वर्ष बाद, दूसरी स्त्री के द्वारा सात बालक हुए।

135 ओह, एल शेदाई! पुराना नियम यह दर्शाता है कि उसने क्या किया नया नियम यह बताता है, वह क्या करेगा। आमीन! पुराने नियम में...

136 अच्छा हवा बंद हो गई, इसलिए मैं जल्दी करूंगा और यही छोडूंगा बस एक मिनट।

बंद करने से पहले मैं यह कहना चाहता हूं। एक बार का मेरे पास एक अच्छा उदाहरण है। मैं सुरक्षा चक्कर लगा रहा था। और बहुत से लोग यहां है... जार्ज टाऊन के आस पास, वहां मिलटाऊन के आसपास, वहां मिलटाऊन में, वहां पहाड़ों में सोते हुआ करते थे। वे उमड़ने वाले कुंवे थे। वे लगभग चार पांच फुट की धार ऊपर फेंकते थे, और हमेशा उमडते रहते थे और एक बड़ा सोता वहां था। और चारो और बहुत से यहां पेनिरोयल में थे, और आप जानते हैं, पोदीने की तरह, वहां कुछ उगता था। ओह! और मैं वहां जाने के लिए तड़पता या, ओह! कि उस सोते तक पहुंचू। और मैं इस चीज के पास लेट जाता था, और पिता रहता था, और बैठ जाता, और फिर पिता, प्रतीक्षा करता।

और कई वर्षों तक मैं अब भी उसी सोते के पास जाता हूं। वह कभी नहीं रुका चाहे शरद या गर्मी हो। वे इसे नहीं जमा सके। आप उमड़ने वाले सोते को जमा नहीं सकते। ओह नहीं! ओह, नहीं! मैं चिंता नहीं करता कि कितना ठंड हो जाता है वह उसे जमा नहीं सकता। आप हौद को जमा सकते हो; थोड़ा सा कोहरा भी उसे जमा देगा। समझे?

परंतु कोई चीज जो चल रही है, उसमें जीवन है, वह बराबर चल रहा है। और आप उस उमड़ने वाले सोते को जमा नहीं सकते। इसका कोई अर्थ नहीं कि चारों ओर की आत्मा कितनी उदास है, यह कुआं सदा जीवित है। उस कुंवे के पास रहिए।

137 जब मैं वहां गया तो मैंने देखा, और मैं उस से पीता हूं और अरे, कितना ताजा पानी! आपको कभी चिंता करनी क्या होगा, "यदि मैं वहां जाऊं, क्या हो, यदि वह बहना बंद हो जाए? " वह चल रहा था...

138 एक बूढ़े किसान ने मुझे बताया, कहा, "मेरे दादाजी ने इसमें से पिया।" और कहा, "यह कभी हल्का या ऐसा कुछ नहीं हुआ। यह अब भी वैसा ही है वहां ब्लू नदी में उमड़ता रहता है।"

139 मैंने सोचा, "अरे, पानी के लिए कितना अच्छा स्थान है!" मैं मार्ग से हटकर लगभग मील भर चला कि उस स्थान पर पहुंच, क्योंकि वह वास्तव में वह स्थान था वहां से पिया जाए। ओह, वह पानी कितना अच्छा था! ओह!

मैं—मैं वहां एरीजोना के रेगिस्तान में चला जाऊंगा, मैं तब भी उसके इसके विषय में सोचता हूं, "वह अदभुत कुआं वहां है, यदि मैं उसके पास लेट सकूं।"

जैसा दाऊद ने एक बार कहा, "ओह, यदि मैं एक बार और उस कुयें से पी सकूं!" यदि वह वहां जा सकता!

140 और एक दिन बैठ गया और मुझे मेरे साथ एक छोटी अजीब सी चीज घटित हुई। और मैंने कहा, "किस ने तुम्हें प्रसन्न इतना प्रसन्न, हर समय के लिए बनाया है? " मैं चाहता हूं कि मैं भी ऐसा ही प्रसन्न रहूं, जब से मैं यहां आ रहा हूं। मैंने तुम्हें कभी भी उदास नहीं देखा तुम्हारे लिए उदासी की कोई चीज नहीं। मैंने कहा, "तुम सदा आनंद से भरे रहते हो। तुम कुदते, बुलबुलाते और चिल्लाते हो। सर्दी या गर्मी, ठंडा या गर्म, जो भी हो तुम सब आनंद से भरे रहते हो। तुम्हें ऐसा किसने... ? यह किया है? क्योंकि मैं तुम में से पीता हूं? "

"नहीं।"

मैंने कहा, "हो सकता है, खरगोश तुम में से पीता है, और तुम इसे बहुत पसंद करते हो।"

"नहीं।"

मैंने कहा, "तो फिर क्या तुम्हें इस प्रकार उमड़ता हुआ बनाए रखता है? किसने तुम्हें इतना आनंदित बनाया? किसने तुम्हे सदा आनंद से भरपूर बनाया? " कहा, "इसलिये क्योंकि चिड़ियाये तुम में से पीती है? "

"नहीं।"

"क्योंकि मैं तुम में से पीता हूं? "

"नहीं।"

मैंने कहा, "भाई, किसने तुम्हें आनंद से भरपूर बनाया? "

141 यदि वह कुआं मुझसे बोल सकता होता तू वह यह कहता, "भाई ब्रन्हम, इसलिए नहीं कि तुम पीते हो; मैं इसकी सराहना करता हूं, और इसलिए नहीं कि मैं चिड़ियों को देता हूं मैं किसी को भी जो चाहता है, उपलब्ध करता हूं। आपको केवल यह करना है कि यहां आ कर, और पीयो। परंतु, मुझे किसने प्रसन्न बनाया है, यह मेरा उमडना नहीं, यह कुछ मेरे अंदर है, जो मुझे बाहर उछालता है। यह कुछ है, जो मुझे उमड़ता है।"

142 और आत्मा से भरे जीवन में भी यही होता है। जैसा कि यीशु ने कहा, वह अंदर था... देखा, अंदर था, वह तुम्हें पानी के कुएं देगा जो कि अनंत जीवन के लिए उमड़ता रहेगा, एक सोते से निकला जल उमड़ता है, जोर से निकलता है, यह निरंतर बहता है। भले ही बाकी कलीसिया ऊपर या नीचे हो आप अब भी उसी कुएं के पास है।

क्यों आप पुराने नामधारी गिरजो के रीति–रिवाजों को लेंगे और हौद को जो परजीवीयो और हर चीज से भरा हुआ है और उस ठहरे हुए पानी को पीये, जब की आपको सोते पर सदा उमड़ने वाले कुएं पर दावत मिली है?

143 मैं सोचता हूं कि वह कैसे ऊपर को उठता हुआ, और—और भटका देते हुए और हंसते हुए और आनंदित होते हुए और कूदते हुए और क्रीडा करते हुए। ठंड, बारिश; गर्म सूखा जब कि सार प्रदेश सूख रहा होता है, वह उमड़ता ही रहता है जैसे कि हमेशा उमड़ता रहा। क्योंकि वह गहराई तक नीचे चट्टानों से ऊपर आता है।

144 ओह, मुझे उफान के पास रहने दो अपने सारे मनुष्यो द्वारा बनाए रीति–रिवाज जो तुम चाहते हो ले जाओ, अपने सारे ठहरे हुए कुयें, परन्तु मुझे... इसके पास या ठहरे हुए हौदो। परंतु मुझे इस सोते के पास आने दो, मुझे वहां आने दो, जहां वह पूरा भरा हुआ है। वह मेरा आनंद है। वह मेरा उजियाला है। वह मेरा वह मेरा बल है। वह मेरा जल है। वह मेरा जीवन है। वह मेरा चंगा करने वाला है। वह मेरा बचाने वाला है। वह मेरा राजा है। हर चीज जिसकी मुझे आवश्यकता है उसमें मिलती है। क्यों मैं किसी और चीज के पास जाऊं?

145 भाई, बहनों आज रात्रि क्या आप इस सोते के पास आयेंगे? क्या आप आयेगे, यदि आप कभी वहां नहीं आये, क्या आप इसे स्वीकार करेंगे, आज रात्रि जबकि हम अपने सिरों को झुकाए हुए हैं?

146 टूटे हुए हौद, चूते हैं, रिसते हैं, संसार इसमें रिस रहा है, खलियानों और उन दिनों की गंदगी। क्यों नहीं यह वाला कुआं, ये चीज कभी नहीं रुक सकती यह महान सोता जो इम्मेनुएल की नसों से भरा है? आज रात्रि क्यों नहीं आप इसे ग्रहण करते? इस सूखे और प्यासे देश में, आज रात्रि परमेश्वर हमारी सहायता करें। जैसा की भविष्यवक्ता ने कहा, "थके हुए देश में वह चट्टान है।" वह, वह सोता है। जबकी हम अपने ह्रदयो में प्रार्थना करते हैं, क्या आप उसके पास नहीं आयेंगे?

147 जैसे कि संगीत बज रहा है, प्रिय स्वर्गीय पिता, और कोई दूसरा सोता नहीं है, "मैं कोई और सोता नहीं जानता, यीशु के लहू के छोड़ और कुछ नहीं है।" मैं वहां उत्पन्न हुआ, मैं वहां बड़ा किया गया; मैं वहां रहना चाहता हूं, वहां मरना चाहता हूं और वहां फिर से जी उठना चाहता हूं, उसकी उपस्थिति में प्रभु। मुझे हमेशा उसकी उपस्थिति में रहने देना, क्योंकि मैं कोई और नहीं जानता। कोई धार्मिक विचार धारा नहीं, कोई प्रेम नहीं, सिवाए मसीह के प्रेम के, कोई धार्मिक विचार धारा नहीं केवल मसीह कोई पुस्तक नहीं, केवल बाइबल और कोई चीज नहीं, उसके बाहर कोई आनंद नहीं है। ओह, परमेश्वर, उसे मुझ में से ले ले, मुझे चिंता नहीं कितना संसार में लेता हूं। वह—वह तब भी मरा हुआ होगा मैं अपने हाथ सिर के ऊपर किए हुए, चारों ओर घूमता रहूंगा उसे मुझ से निकाल लो, मैं मृत हो जाऊंगा, प्रभु परंतु उसे मुझ में रहने दो, तब दिसंबर मई की तरह आनंदमय होगा, तब गर्म स्थान ना होंगे और ना सूखे स्थान होंगे, यहां तक कि मृत्यु की भी जीत ना होगी। पिता, हम उसे ले ले, आज रात्रि हर विश्वासी को उसे बहुतायत से दें, जैसा कि वे इस कमरे में प्रतीक्षा कर रहे हैं।

148 आज रात्रि, बहुत सो को गाड़ियां चलानी है, जैसे कि वह अपने घरों को जाते हैं, और होने दे कि यही उनके विचार हो, कि, "मैं सोते के पास रह रहा हूं, मैं वहां रह रहा हूं, जहां हर घंटे–घंटे ताजा पानी पीने को है।"

149 और यदि उन्होंने उसे अभी तक नहीं पाया है, होने दे, कि वे अब पा ले, ताकि वे सोते को अपने साथ ले जा सके, "मैं तुम्हारे साथ जाऊंगा, मैं तुम्हारे साथ जगत के अंत तक होऊंगा।" पिता, इन बातों को प्रदान करें।

150 और अब जब कि हमारे सिर झुके हुए हैं, क्या आज रात्रि कोई यहां पर है या कितने यह कहेंगे, "प्रभु मुझे उस सोते के पास अभी ले चले मैं यहां कभी भी कुछ सुनने के लिए नहीं आया, मैं यहां कुछ पाने के लिए

आया हूं। मैं यहां आपको पाने के लिए आया हूं, प्रभु आज रात मुझे आपकी आवश्यकता है, अभी मेरे हृदय में आ जाये, क्या प्रभु आप यह करेंगे? ” प्रभु आपको आशीष दे। प्रभु आप में से प्रत्येक को आशीष दे।

151 पिता, आपने हाथों को देखा है, यहां तक कि जो दीवार के सहारे सहारे और दूसरे कमरों में, बाहर है। आपने—आपने उन्हें देखा है, पिता मैं—मैं यह प्रार्थना करता हूं कि आप उन्हें जिस हर उस चीज की, जिसकी उन्हें आवश्यकता है प्रदान करेंगे। प्रभु, हो सकता है, वे किसी पुराने हौद से पी रहे हैं, जहां कुछ लोगों ने हौद खोदे हैं, उन्हें कहीं आधे मार्ग में रोक दें, यह किसी आज्ञात धार्मिक विचार धारा से गंदे हो गए हैं, जो कि वचन को अस्वीकार करते हैं। परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आज रात्रि वे उसके पास आयेंगे, जो कि वह सोता है जो कि जीवन का सोता है, पिता इसे स्वीकार करें, मैं अब उन्हें आपको समर्पित करता हूं, यीशु के नाम में।

152 और आपने मुझे बताया है, “यदि तुम मेरे नाम में कोई भी चीज मांगोगे, तो वह हो जायेगा।” यदि मैंने यह नहीं सोचा होता कि यह हो जायेगा, तो प्रभु मैं यह नहीं मांगता नहीं, तो मैं इसे विधि क्रम में कह रहा होता। परंतु मैं उनके लिए हृदय कि सच्चाई से प्रार्थना करता हूं मैं उनके लिए प्रार्थना करता हूं यह विश्वास करते हुए कि जो आपने प्रतिज्ञा की है, आप उसे प्रदान करेंगे।

153 और अब आज रात्रि मैं उन्हें हौद से दूर ले जाता हूं। मैं उन्हें उस स्थान से जहां पर वे पी रहे थे, जहां वे संतुष्ट नहीं थे दूर ले जाता हूं, इस सोते के पास। मैं यह यीशु मसीह के नाम में करता हूं।

154 प्रभु, यह आपके हैं। उन्हें अपने में से जीवित जल पीने दे, जीवन जल का सोता। यह हम यीशु के नाम में मांगते हैं, इसे ग्रहण करें, प्रभु।

ओह, कीमती है वह धारा,
जो कि मुझे बर्फ सा सफेद बनाती है,
मैं कोई और सोता नहीं जानता,
कोई नहीं सिवाये यीशु के लहू के

मेरे पाप कौन धो सकता है?
कोई नहीं सिवाये यीशु के लहू के;

कौन मुझे फिर से चंगा कर सकता है?
कोई नहीं सिवाये यीशु के लहू के
ओह...

यीशु, प्रभु इन्हें चंगा कर, इसे ग्रहण करें, प्रभु, यीशु के नाम में हो कर परमेश्वर मैं प्रार्थना करता हूं कि आप... ? ... आप सब बातें जानते हैं।

मैं कोई ओर दूसरा सोता नहीं जानता,
ओह, कुछ नहीं केवल लहू...

155 इस पर सोचिये, मैं कोई और सोता नहीं जानता! मैं कुछ और नहीं जानता, केवल उसके सिवाये उसके कुछ और जानने की इच्छा नहीं। कुछ नहीं सिवाये यीशु के लहू के! ओह!

ओह, कीमती है वह धारा
जो की मुझे बर्फ सा श्वेत बनाती है;
मैं कोई और सोता नहीं जानता,
ओह, कुछ नहीं सिवाये यीशु के लहू के

156 जबकि हम इस गाने के दोबारा गाते हैं, आईये हम एक दूसरे से अपने हाथ मिलाये। क्या आप एक दूसरे से प्रेम करते हैं? क्या यहां कोई है जिसके पास किसी के विरोध में कुछ हो? यदि कोई है तो उसे ठीक कर ले। क्या आप करेंगे? आइए हम यहां से पहले की तरह ना निकले। समझे? यदि आपके पास किसी के विरुद्ध कुछ है, तो इसी समय आप जाए और उसे ठीक कर ले। अभी आपको अवसर है कि जाए और कहे, "भाई, बहन, मैंने आपके लिए कुछ कहा, मैंने कुछ सोचा, मैं यह नहीं करना चाहता था। मुझे क्षमा करें।" देखिए, इसे करने का यही तरीका है। हर समय अपने बीच में सोते को होने दे। समझे?

मैं कोई दूसरा सोता नहीं जानता,
कोई नहीं सिवाये यीशु के लहू के
ओह, कीमती है वह धारा,
जो कि मुझे बर्फ सा श्वेत बनाती है;
ओह, मैं कोई और दूसरा सोता नहीं जानता,
कोई नहीं सिवाये यीशु के लहू के

157 ओह, क्या वह अद्भुत नहीं? कोई और सोता नहीं! हम अपने को दूसरी चीज से गंदा नहीं करते। हमने संसार को पीछे छोड़ दिया हम अलग हो

गए हैं। हम और मिस्त्र के लहसुन नहीं चाहते और टूटे हुए हौद। हम प्रभु यीशु के साथ यात्रा में है, वह मारी गई चट्टान, आमीन, ऊपर से मन्ना खाते है और उकाब का खाना खाते और पीते हैं, और चट्टान से पीते हैं। आमीन!

कोई दूसरा सोता नहीं जानता,
कोई नहीं सिवाये यीशु के लहू के।

अब आइए अपने सिरों को झुकाये।

158 प्रार्थना करते हैं कि परमेश्वर आप में से प्रत्येक को बहुतायत से आशीष दे, उसकी अनुग्रह, दया आने वाले पूरे सप्ताह आपके साथ बनी रहेगी, यदि कुछ घटित होना चाहिए कि आप में से कोई अब पर्दे के पार चला जाए, केवल यह याद रखे कि सोने और आराम करने के कुछ ही घंटे है, जब तक हम नहीं मिलते। यह याद रखे, "वे जो जीवित है और बचे रहेंगे, वे उन सो जो सोये हुए हैं कदापी आगे ना बढ़ेंगे क्योंकि परमेश्वर कि तुरही... " छठवी अभी–अभी बजी है। और अंतिम तुरही, अंतिम मोहर की तरह प्रभु का आगमन होगी। "वह फूंकी जाएगी और जो मसीह में मरे हैं, पहले जी उठेंगे।" उस समय तक केवल आराम करेंगे।

159 याद रखिए, आपको चोट लगने चाहिए;

यीशु नाम को अपने साथ ले,
एक ढाल की तरह, हर फंदे से;
और जब परीक्षाएं चारों ओर से इकट्ठी हो,
केवल उसी पवित्र नाम को प्रार्थना में ले। (शैतान भाग
जायेगा)

160 केवल याद रखें, हम यहां पर अगले रविवार प्रात: मिलने की आशा करते हैं, बीमारों और अपाहिजो को लाए। मैं आपके लिए प्रार्थना करूंगा। अब आप मेरे लिए प्रार्थना करें। क्या आप करेंगे? तो "आमीन" कहिए। [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] मैं आपके लिए प्रार्थना करूंगा कि परमेश्वर आपको आशीष देगा

... नाम में प्रार्थना

कीमती नाम, कीमती नाम, ओह कितना प्यारा!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद;
कीमती नाम ओह कितना मीठा!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद।

यीशु के नाम में झुकते हैं,
उसके चरणों में मुंह के बल गिरते हैं,
राजाओं का राजा स्वर्ग में, हम उसे ताज पहनायेंगे।
जब हमारी यात्रा पूरी हो जाती है।

कीमती नाम कीमती नाम, (क्या यह मीठा और कीमती नहीं है?)
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनन्द
कीमती नाम कीमती नाम, ओह कितना प्यारा!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद।

161 आपको छोड़ना हमेशा कठिन होता है। यदापि मैं जानता हूं कि आप जल रहे हैं, परंतु यहां कुछ है... आइए किसी का एक और पद, क्या आप यह करेंगे... ? ... [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] क्या आप यह करेंगे? *धन्य है वह बंधन जो बन्धता है,* बहन। कितने लोग यह पुराना गाना जानते हैं? वर्षों पहले हम गाया करते थे।

162 और आज रात्रि मैं सोच रहा था, "सौ में से दो हाथ, जो कि छूट गए," जब हम आराधनालय के आस पास यह गाना गाया करते थे, और एक दूसरे के हाथ पकड़ा करते थे। *धन्य है वह बंधन जो बन्धता है*। उनमें से मैंने बहुतों को दफन कर दिया, यही इसी कब्रिस्तान में। वे प्रतीक्षा कर रहे हैं। मैं उन्हें फिर से देखुगा एक बार मैंने उन्हें दर्शन में देखा जब मैंने पर्दे के उस पार देखा। वे वहां थे।

जब हम गाते हैं, तो आईये हम अपने सिरों को झुकाए।

धन्य है वह बंधन जो बन्धता है
हमारे हृदयो को मसीही प्रेम में;
वह संगति...
उसकी तरह जो ऊपर है

जब हम...

अब आगे बढ़ कर किसी का हाथ पकड़ ले।

... अलग–अलग हो जाए,

अब अपने सिरों को झुकाये।

यहां हमें अंदर की और दर्द देता है;
परंतु हम फिर ह्रदय में जुड़े होंगे,
और फिर से मिलने की आशा करते हैं।

163 अपने झुके हुए सिरों के साथ। मैं सभा को अब बात करके हाथ में देता हूं, और विसर्जित करें...

टूटे हुए हौद HIN64-0726E

(Broken Cisterns)

यह सन्देश हमारे प्यारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार शाम, 26 जुलाई, 1964 को ब्रन्हम टेबरनेकल, जेफ़रसनविले, इंडियाना, यु.एस.ए. में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकोडिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकोडिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2019 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org